राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,16 जनवरी–2023 वर्ष–5,अंक–349 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेना दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं, कहा- 'हर भारतीय को हमारी सेना पर गर्व है'

■ सेना दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सभी सिपाहियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश के वीर जवानों ने हमेशा अपने साहस का प्रदर्शन किया है। प्रत्येक भारतीय को सेना पर गर्व है।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को सेना दिवस पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, आपदाओं के समय सैनिकों ने हमेशा वीरता का प्रदर्शन किया है। मैं इस अवसर पर भारतीय सेना के सभी बहादुर सैनिकों और उनके परिवारों को सलाम करती हूं। पीएम मोदी ने भी सेना को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रत्येक भारतीय को हमारी सेना पर गर्व है।

हमेशा अहने साहस का प्रदर्शन किया

हर साल 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है। इस दिन ब्रिटिश राज खत्म होने के बाद फील्ड मार्शल के एम करिअप्पा ने 1949 में भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने ट्वीट करते हुए कहा, ÷सेना दिवस पर, आइए हम भारतीय सेना के सैनिकों की अनगिनत कहानियों और बलिदानों को याद करें। उन्होंने हमेशा वीरता और साहस की एक नई सीमा बनाई है और

आपदाओं के समय में रक्षक के रूप में भी काम किया है। मैं इस अवसर पर भारतीय सेना के सभी बहादुर सैनिकों और उनके परिवारों को सलाम करती हूं।

पीएम मोदी ने किया ट्वीट

पीएम नरेन्द्र मोदी ने सेना दिवस के मौके पर सैनिकों की तारीफ करते हुए ट्वीट किया, ÷सेना दिवस पर, मैं सभी सैन्य कर्मियों, दिग्गजों और उनके परिवारों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। हर भारतीय को हमारी सेना पर गर्व है और हमेशा हमारे जवानों का आभारी रहेगा। उन्होंने हमेशा हमारे देश को सुरक्षित रखा है और संकट के समय उनकी सेवा के लिए व्यापक रूप से प्रशंसा की जाती है।

इस साल सेना दिवस पर क्या है खास

इस साल सेना दिवस का आयोजन कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में किया गया है। इस बार की खास बात यह है कि इसका आयोजन पहली बार दिल्ली के बाहर किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा, राष्ट्र के लिए दक्षिण भारत के लोगों की वीरता, बलिदान और सेवाओं को पहचान देने के लिए इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन बेंगलुरु में किया जा रहा है। साथ ही यह फील्ड मार्शल केएम करियप्पा को श्रद्धांजलि है क्योंकि वो कर्नाटक से संबंध रखते हैं। आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे सेना के अभियानों में जान गंवाने वाले जवानों को बेंगलुरु में श्रद्धांजलि देंगे। इसके अलावा सेना के जवानों और इकाइयों की वीरता और सराहनीय सेवा के लिए उन्हें वीरता पुरस्कार और यूनिट प्रशस्ति पत्र भी दिया जाएगा। इस साल सेना दिवस की थीम रक्तदान करें- जीवन बचाएं है।

हिमाचल में अगले दो दिनों तक मौसम रहेगा साफ, पर्वतीय क्षेत्रों में 18 से फिर बर्फबारी का अनुमान

शिमला। हिमाचल प्रदेश में दो दिन तक बर्फबारी का दौर जारी रहने के बाद रविवार को सुबह से राजधानी शिमला सहित राज्य के अन्य भागों में अच्छी धूप खिली हुई है। जनजातीय क्षेत्रों लाहौल-स्पीति, किन्नौर, भरमौर और पांगी में भी मौसम साफ बना हुआ है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि अगले दो दिन राज्य में मौसम साफ बना रहेगा। 18 जनवरी से पर्वतीय इलाकों में फिर बर्फबारी होने का अनुमान है। मौसम साफ होने से प्रशासन बर्फबारी के कारण बंद पड़ी सड़कों को खोलने में जुट गया है। भारी बर्फबारी के कारण राज्यभर में 223 सड़कें अभी भी बंद हैं। इन सड़कों की बहाली का काम शुरू कर

दिया गया है। लोक निर्माण विभाग ने शाम तक अधिकतर सड़कों के बहाल होने की उम्मीद जताई है। शिमला सहित राज्य के छह पर्वतीय जिलों में दो दिन पहले हुए भारी हिमपात के कारण चार नेशनल हाई-वे और 245 से अधिक सड़कें बंद हो गई थीं। इसके अलावा 600 से अधिक ट्रांसफार्मरों के ठप होने से कई इलाके अंधेरे में डूब गए थे। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने बताया कि रविवार सुबह तक राज्य में दो नेशनल हाई-वे और 223 सड़कें बंद रहीं। लाहौल-स्पीति जिले में सबसे ज्यादा 148 सड़कें बंद हैं। कुल्लू में 42, मंडी में 19, शिमला में 6, चम्बा में 3, कांगड़ा व किन्नौर में 2-2 और सिरमौर जिले में एक सड़क बंद है। कुल्लू जिला में नेशनल हाई-वे-03 और नेशनल हाई-वे 305 भी बाधित हैं। भारी बर्फ से 38 ट्रांसफार्मर बंद चल रहे हैं। कुल्लू में 17, चम्बा में 13 और मंडी में 08 ट्रांसफार्मर बंद हैं। इसके अतिरिक्त 08 पेयजल स्कीमें भी प्रभावित हैं। इनमें चम्बा जिला के भरमौर में 04, तीसा में 02, और लाहौल-स्पीति में 02 शामिल हैं। इस बीच, मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि अगले दो दिन राज्य में मौसम साफ रहेगा। 18 जनवरी से पर्वतीय इलाकों में फिर बर्फबारी होने का अनुमान है।

पीएम मोदी ने देश को दी 8वीं वंदे भारत ट्रेन की सौगात, हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नई दिल्ली। देश को आठवें वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के सिकंदराबाद से आंध्र प्रेदश के विशाखापट्टनम के लिए चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन 700 किमी की दूरी 8 घंटे में तय करेगी। दोनों तरफ की यात्रा में यह ट्रेन राजमुंदरी, विजयवाड़ा और वारंगल में रुकेगी। यह दक्षिण भारत की दूसरी और देश की आठवीं वंदे भारत ट्रेन है। दक्षिण भारत की पहली वंदे भारत ट्रेन मैसूरू से चेन्नई के बीच रवाना की गई थी।

2019 में हुई थी पहले वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत

पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन नई दिल्ली से वाराणसी के बीच में शुरू की गई थी। साल 2019 में पीएम मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर देशभर में 75 वंदे भारत ट्रेन को चलाने का प्लान बनाया था। फिलहाल 8वीं वंदे भारत ट्रेन को सिकंदराबाद से विशाखापट्टनम के बीच रवाना किया गया है।

इन रूट्स पर चलती हैं वंदे भारत ट्रेन

सिकंदराबाद से विशाखापट्टनम के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के अवाला इन साथ

रूट्स पर ये ट्रेन चलती है।

हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस
वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस
मुंबई-गांधीनगर-वंदे भारत एक्सप्रेस
बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
नई दिल्ली-वैष्णो देवी वंदे भारत एक्सप्रेस
दिल्ली-अंदौरा वंदे भारत एक्सप्रेस
मैसूर-चेन्नई वंदे भारत एक्सप्रेस

बैलों को काबू करने का शुरू हुआ खेल, 800 खिलाड़ी लेने वाले हैं हिस्सा

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मशहूर शहर मदुरै में रविवार को जल्लीकट्टू खेल शुरू हो गया है। इस खेल में सांडों को वश में करने की परंपरा है। स्थानीय तौर पर इस खेल का खास महत्व है और प्रशासन इसे लेकर मुस्तैद है। तमिलनाडु सरकार ने हाल ही में जल्लीकट्टू आयोजनों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देशों को जारी किया था। न्यूज एजेंसी एएनआई से मदुरै के जिला कलेक्टर ने कहा, हम सुप्रीम कोर्ट के साथ-साथ तमिलनाडु सरकार के सभी नियमों का पालन करेंगे। उच्च न्यायालय से निर्देश है केवल 25 खिलाड़ी एक समय में खेलेंगे। हम 800 से अधिक खिलाड़ियों के आने की उम्मीद कर रहे हैं। मदुरै के जिला कलेक्टर अनीश शेखर ने कहा, हमने जल्लीकट्टू के सुचारू संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं की हैं। सांडों के साथ-साथ खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना। खेल के मैदान में सांडों के खेलने को सुनिश्चित करने के लिए 3 स्तर की बैरिकेडिंग लगाई गई है और दर्शकों की भी सुरक्षा की जाती है।

● बैलों को काबू करने का खेल जल्लीकट्टू शुरू हो गया है। तमिलनाडु के मशहूर शहर मदुरै में इस खेल के लिए चाक-चौबंद किए गए हैं। मदुरै में 800 खिलाड़ी जल्लीकट्टू के खेल में हिस्सा ले रहे हैं।

जल्लीकट्टू क्या है?-जल्लीकट्टू जनवरी के बीच में पोंगल की फसल के समय खेला जाने वाला एक लोकप्रिय खेल है। विजेता का फैसला इस बात से तय होता है कि वह एक सांड के कूबड़ पर कितने समय तक रहता है। यह आमतौर पर तमिलनाडु में मट्टू पोंगल के हिस्से के रूप में प्रचलित है, जो चार दिवसीय फसल उत्सव के तीसरे दिन होता है। तमिल शब्द 'मट्टू' का अर्थ बैल होता है, और पोंगल का तीसरा दिन मवेशियों को समर्पित होता है, जो खेती में एक प्रमुख भागीदार है।

आंध्र प्रदेश में भी धूमधाम से मनाया जाता है जल्लीकट्टू

आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में जल्लीकट्टू में हिस्सा लेने के दौरान शनिवार को कम से कम 15 लोग घायल हो गए। यह खेल मकर संक्रांति उत्सव के रूप में आयोजित किया गया था, इसे भव्यता के साथ मनाया गया। इस खेल में कई उत्साही युवाओं ने भाग लिया।

जल्लीकट्टू पर जारी है बहस

जल्लीकट्टू खेल पर बहस जारी है। तर्क देने वालों का कहना है कि इस खेल को जानवरों के अधिकारों के उल्लंघन माना जाता है। दूसरी ओर लोग इसे संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण की वकालत करते हैं।

नेपाल में बड़ा विमान हादसा

काठमांडू से पोखरा जा रही फ्लाइट क्रैश; 68 यात्री थे सवार

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू से पोखरा के लिए उड़ान भरने वाला येती एयरलाइंस का एटीआर 72 विमान रविवार सुबह कास्की जिले के पोखरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। येती एयरलाइंस के प्रवक्ता सुदर्शन बरतौला ने इस घटना की जानकारी दी है। साथ ही उन्होंने यह भी कहै कि पुराने हवाई अड्डे और पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बीच दुर्घटनाग्रस्त हुए इस विमान में कुल 68 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। दुर्घटना के बाद फिलहाल एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

1 अप्रैल 2022 से पहले रिटायर हुए कर्मचारियों को ओपीएस के तहत पेंशन देगी राजस्थान सरकार

जयपुर। राजस्थान के रिटायर्ड सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। राज्य का वित्त विभाग 1 अप्रैल, 2022 से पहले रिटायर हुए लोगों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के तहत राशि देने की प्रक्रिया शुरू करने जा है। सरकार के इस कदम से लगभग 3,500 रिटायर्ड कर्मचारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त सचिव वित्त (नियम) सैयद जैनुद्दीन शाहिद ने कहा कि 'सामान्य राजस्व मद' से संबंधित मुद्दे को सुलझा लिया गया है और राशि 3 से 4 दिनों में वितरित की जाएगी। शाहिद ने कहा, सामान्य राजस्व मद' के उपयोग के लिए अकाउंटेंट जनरल (एजी) से अनुमति प्राप्त करने में समय लग रहा

■ सरकार के इस कदम से लगभग 3,500 रिटायर्ड कर्मचारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त सचिव वित्त (नियम) सैयद जैनुद्दीन शाहिद ने कहा कि 'सामान्य राजस्व मद' से संबंधित मुद्दे को सुलझा लिया गया है और राशि 3 से 4 दिनों में वितरित की जाएगी। शाहिद ने कहा, सामान्य राजस्व मद' के उपयोग के लिए अकाउंटेंट जनरल (एजी) से अनुमति प्राप्त करने में समय लग रहा था।

था। इसलिए, हमने राशि जमा करने के लिए पेंशन हेड का इस्तेमाल करने का फैसला किया है। वित्त विभाग ने 6 सितंबर 2022 को एक सर्कुलर जारी कर 1 जनवरी, 2004 को और उसके बाद नियुक्त राज्य सरकार के उन कर्मचारियों से 31 दिसंबर, 2022 तक पैसा लौटाने को कहा था, जिन्होंने 1 अप्रैल, 2022 और 28 अगस्त, 2022 के बीच नई पेंशन योजना (एनपीएस) के तहत पैसा निकाला था। अब इसकी तारीख बढ़ाकर 31 मार्च, 2023 कर दी गई है। राजस्थान में एक अप्रैल से पुरानी पेंशन योजना बहाल की गई थी।

ओपीएस पर बीमा कंपनियों के लिए जल्द दिशानिर्देश- न्यू पेंशन स्कीम एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ राजस्थान (एनपीएसईएफआर) के राज्य समन्वयक विनोद कुमार ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि वित्त विभाग के संयुक्त सचिव ने हमें सूचित किया है कि विभाग बीमा विभाग को दिशानिर्देश जारी करेगा। यह जमा की जाने वाली राशि और बाद में पेंशन राशि के निपटान को सत्यापित करने के लिए बीमा और पेंशन को एकीकृत करने के तौर-तरीकों की रूपरेखा तैयार करेगा।

टूटा भारत का सपना, यूएसए की ग्रेब्रिएल के सिर पर सजा मिस यूनिवर्स 2022 का ताज

मुंबई। 71वें मिस यूनिवर्स पेजेंट का आयोजन अमेरिका के लुइसियाना स्टेट के न्यू ऑर्लेअंस शहर में हुआ, जहां मिस यूनिवर्स 2022 ब्यूटी पेजेंट का ऐलान हुआ और ये खिताब यूएसए की आर बॉनेे ग्रेब्रिएल ने जीता है। दुनियाभर की 84 कंटेस्टेंट्स को मात देने के बाद ये ताज आर बॉनेे ग्रेब्रिएल के सिर पर सजा है। बता दें कि वेनेजुएला की अमांडा डुडामेल न्यूमेन, यूएसए की आर बॉनेे ग्रेब्रिएलऔर डॉमिनिक रिपब्लिक की एंड्रीना मार्टिनेज टॉप 3 में पहुंचीं। वहीं भारत की ओर से दिविता राय मैदान में थीं,जो टॉप 16 में तो अपनी जगह बना पाई लेकिन टॉप 5 में शामिल नहीं रहीं।

मिस यूनिवर्स 2022 पहनेगी 49 करोड़ रुपए का ताज-बता दें कि इस बार मिस यूनिवर्स का ताज भी काफी खास है। इस बार मिस यूनिवर्स को पहनाए जाने वाले ताज का नाम फोर्स फॉर गुड रखा गया है। इसे मौवाड कंपनी ने बनाया है। ये ताज दर्शाता है कि महिलाओं ने जो भविष्य बनाया है वह संभावनाओं की सीमाओं से आगे है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी कीमत 6 मिलियन डॉलर यानी करीब 49 करोड़ रुपए है।

कौन हैं दिविता राय?-बता दें कि दिविता राय का जन्म 10 जनवरी 1998 को मैंगलोर (कर्नाटक) में हुआ था। 25 वर्षीय दिविता पेशे से आर्किटेक्ट और मॉडल हैं। साल 2022 में उन्होंने मिस यूनिवर्स इंडिया का ताज अपने नाम किया था और इसके बाद मिस यूनिवर्स में भारत का प्रतिनिधत्व करने मैदान में उतरी थीं। याद दिला दें कि दिविता राय को मिस दीवा यूनिवर्स 2022 का क्राउन 2021 की मिस यूनिवर्स हरनाज संधु ने पहनाया था।

कौन दिलवा चुका दिलाया भारत को सम्मान-याद दिला दें कि कॉस्ट्यूम

राउंड में सोन चिरैया बन, दिविता ने सभी का ध्यान खींचा था और सोशल मीडिया पर उनके फोटोज और वीडियोज खूब वायरल हुए थे।सुष्मिता सेन, लारा दत्ता और हरनाज संधू इससे पहले देश को ये गौरव दिलवा चुकी हैं और उन्होंने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था। हरनाज संधू ने 12 दिसंबर 2021 को मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था। जबकि 1994 में सुष्मिता सेन के बाद साल 2000 में लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनीं थीं।

मिस यूनिवर्स से जुड़ी कुछ जानकारियां

गौरतलब है कि मिस यूनिवर्स एक अंतरर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता है, जिसकी शुरुआत साल 1952 से हुई थी। मिस यूनिवर्स का पहला खिताब 1952 में अर्मी कूसेला ने जीता था। इसे पेजेंट को अमेरिका की मिस यूनिवर्स ऑर्गेनाइजेशन आयोजित करती है और इसका बजट सालाना करीब 10 करोड़ डॉलर बताया जाता है। बता दें कि इसका हैडक्वाटर अमेरिका के न्यूयॉर्क में है। इसकी आयोजन की आधिकारिक भाषा इंग्लिश है और पाउला शुगार्ट 1997 से ऑर्गेनाइजेशन की अध्यक्ष हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बाड़ खाये खेत

इतना ही नहीं, अस्सी लाख से अधिक की नकदी भी बरामद हुई है। कैसी विडंबना है कि जिन लोगों पर खाद्यान्न संरक्षण का दायित्व था वे ही इसकी बंदरबांट में लगे थे। आपराधिक कृत्य देखिये कि कुछ अनाज के व्यापारी व निजी चावल मिल मालिक घटिया अनाज सस्ती दरों में खरीदकर अधिकारियों की जेब गर्म करने के बाद एफसीआई को ऊंचे दामों में बेचकर गोदामों में रखवा देते थे। दुर्भाग्य की बात है कि यही अनाज सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को बांटा जाता था।

यह घटनाक्रम परेशान करने वाला है कि जिन लोगों पर किसानों की मेहनत से उगाये अन्न के संरक्षण व न्यायसंगत वितरण का दायित्व था, वे ही निहित स्वार्थों के लिये इसको ठिकाने लगाने में शामिल थे। देश के नीति-नियंताओं ने जिस विभाग की स्थापना किसान को न्यायसंगत दाम देकर भूख के कारगर समाधान के लिये की थी, उसी विभाग की काली भेड़ें आज घोटालों व हेराफेरी में लिप्त पाई गयी हैं। इस बात की पुष्टि सीबीआई द्वारा पंजाब,हरियाणा व दिल्ली के पचास ठिकानों पर हुई दबिश से होती है। इस छापे में जहां भारतीय खाद्य निगम के चंडीगढ़ स्थित उप महाप्रबंधक व एक एग्रो इंडस्ट्री के मालिक को गिरफ्तार किया है, वहीं चौहत्तर लोगों के खिलाफ केस दर्ज किये गये हैं। इतना ही नहीं, अस्सी लाख से अधिक की नकदी भी बरामद हुई है। कैसी विडंबना है कि जिन लोगों पर खाद्यान्न संरक्षण का दायित्व था वे ही इसकी बंदरबांट में लगे थे। आपराधिक कृत्य देखिये कि कुछ अनाज के व्यापारी व निजी चावल मिल मालिक घटिया अनाज सस्ती दरों में खरीदकर अधिकारियों की जेब गर्म करने के बाद एफसीआई को ऊंचे दामों में बेचकर गोदामों में रखवा देते थे। दुर्भाग्य की बात है कि यही अनाज सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को बांटा जाता था। पता नहीं कब से यह गोरखधंधा चल रहा था। इस छापे में बरामद मोटी रकम घोटाले के आकार की ओर इशारा करती है। निस्संदेह, सीबीआई का 'ऑपरेशन कनक' भ्रष्ट अधिकारियों के लिये एक सबक साबित होगा और भविष्य में हेराफेरी करने से पहले कई बार सोचेंगे। पक्की बात है कि सीबीआई की जांच में भविष्य में कुछ बड़े खुलासे होंगे और विभाग की कई बड़ी काली भेड़ें सामने आएंगी। फिलहाल भी एफसीआई के एक कार्यकारी निदेशक समेत 74 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन लोगों में विभाग के कुछ सेवानिवृत्त अधिकारी, कुछ संस्थाएं और बिचौलिये किस्म के आम लोग भी शामिल हैं। निस्संदेह, यह गोरखधंधा कई वर्षों से चल रहा होगा। इस घोटाले में एफसीआई द्वारा आउटसोर्स किये गये बेनामी गोदामों को भ्रष्टाचार का जरिया बनाया गया। इस बात की पुष्टि सीबीआई अधिकारियों ने भी की है। जिसमें पंजाब सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका को भी संदिग्ध बताया जाता है। निस्संदेह, भारतीय खाद्य निगम, कारोबारियों व प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा बनाये भ्रष्टाचार के नापाक गठजोड़ पर सीबीआई की चोट एक स्वागत योग्य कदम है। बेहतर होता कि वर्षों पहले इस तरह के अपवित्र गठबंधन की लगातार निगरानी होती। कहना कठिन है कि भ्रष्ट अधिकारियों का यह निंदनीय कृत्य कब से चल रहा था और कितने गरीब व जरूरतमंद लोग घटिया अनाज लेने को मजबूर रहे होंगे। कहीं न कहीं इस तरह के मामलों में किसानों के साथ भी अन्याय होता रहा है। सिंडिकेट के जरिये घटिया अनाज खरीदकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली को चूना लगाया जाता रहा है। उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने भ्रष्ट भारतीय खाद्य निगम के अधिकारियों, चावल मिल मालिकों तथा बिचौलियों के सिंडिकेट में शामिल लोगों की पहचान के लिये छह माह तक अंडरकवर ऑपरेशन चलाया। तब जाकर इस गोरखधंधे में शामिल बड़ी मछलियां हाथ आईं। आमतौर पर मान्यता रही है कि महिला अधिकारी ईमानदारी से अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन करती हैं, लेकिन इस छापे में एक महिला अधिकारी के घर की वॉशिंग मशीन से लाखों की नकदी बरामद की गई। निस्संदेह, अभी इस अपवित्र गठबंधन की और परतें खुलेंगी। बहुत संभव है कि चारे घोटाले की तरह इस मामले का दायरा विस्तृत निकले।

सूक्ति

पराजय से सत्याग्रही को निराशा नहीं होती बल्कि कार्यक्षमता और लगन बढ़ती है।
- महात्मा गांधी

वह एक मात्र स्थान है जहां आपके सपने असंभव होते हैं वह है स्वयं आपका मस्तिष्क।
- अज्ञात

लॉफिंग ज़ोन

बंता अमेरिका गया था। एक दिन वह वहां के एक किराने दुकान में गया। जरूरत की सारी चीजें चुनकर वह काउंटर पर आया।

वहां खड़े कर्मचारी ने बिल बनाकर उसकी तरफ बढ़ा दिया। मगर बंता उनसे फैट मांगने लगा, मेरा फैट कहां है? कर्मचारी उसकी बात समझ नहीं रहे थे। अंत में बंता चीखने-चिल्लाने लगा।

उसकी चिल्लाहट सुनकर दुकान में खड़े सभी लोग वहां जुट गए। दुकान का मैनेजर भी बंता के पास आ गया। मैनेजर को देखते ही बंता ने चीखते हुए कहा, ओए मैनेजर, मैंने यह दही खरीदा है। इसके ऊपर लिखा है फैट फ्री, अब बताओ तुम्हारे लोग मुझे फैट नहीं दे रहे हैं।

☺ ☺ ☺

शराबी : हे भगवान ! क्या आप मेरी शराब छुड़वा देंगे ?

भगवान : जरूर वत्स।

शराबी : तो मेरी 14 शराब की बोतलें पुलिस ने जब्त कर ली हैं , उन्हें छुड़वा दीजिए प्लीज. !

☺ ☺ ☺

संता काफी परेशान था। उसने अपने दोस्त से कहा – यार मुझे तेलुगु सीखनी है , वह भी छह महीने में।

दोस्त– क्यों यार ?

संता – हमने तेलुगु बच्चा अडॉप्ट किया है। जब वह छह महीने बाद बोलने लगेगा तो हम उसके साथ बात कैसे करेंगे ?

आर्थिक बदहाली में पाक को तालिबानी चुनौती

जी. पार्थसारथी

न्यूयॉर्क में अल कायदा के 9/11 के आतंकी हमले के बाद से अमेरिका ने तमाम साजिशकर्ताओं और मददगारों को खोजने हेतु वैश्विक अभियान चलाए। इस कांड का सूत्रधार ओसामा बिन लादेन, जो पाकिस्तान के एबटाबाद छावनी इलाके में अतिविशिष्ट सैन्य प्रशिक्षण केंद्र से सटी बस्ती में छिपा बैठा था, 11 मई, 2011 को मार गिराया। 9/11 के बाकी बचे सूत्रधारों की खोज अभी भी जारी है। गत 2 अगस्त, 2022 को राष्ट्रपति बाइडेन ने घोषणा की कि काबुल के बीचोंबीच छिपा और ओसामा बिन लादेन का उत्तराधिकारी 71 वर्षीय अल जवाहिरी भी अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया। बाइडेन ने जवाहिरी को अमेरिकी भूमि पर मारे गए 2977 निर्दोष नागरिकों की मौत के सबसे बड़े दोषियों में एक बताया, जो दशकों तक अमेरीकियों के खिलाफ अनेकानेक हमलों का मास्टरमाइंड भी रहा। लेकिन हकीकत यह है कि लादेन की मौत के बाद अल कायदा गुट दुनियाभर में लगातार बिखरता गया था। वक्त के साथ अन्य कट्टरवादी पाकिस्तानी आतंकी गुट उभरते गए, जिनके निशाने पर लेकिन भारत नहीं था। यहां तक कि बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के निकट सहयोग से ग्वादर बंदरगाह परियोजना बना रहे चीन को स्थानीय नागरिकों का कोपभाजन का शिकार बनना पड़ा है। इस समूचे उप-महाद्वीप में अभी भी दो बड़े सशस्त्र एवं कट्टर इस्लामिक आतंकी गुट सक्रिय हैं, एक है अफगान तालिबान और दूसरा है इसका पश्तून हमबिरादर तहरीक-ए-तालिबान ऑफ पाकिस्तान (टीटीपी)। यह दोनों गुट आईएसआई के निकट सहयोग से शुरू हुए और अब दोनों ही आईएसआई से खफा और खिलाफ हैं। टीटीपी का प्रभावक्षेत्र पाकिस्तानी खैबर पख्तूनवा के कबायली अंचल में अधिक है, हालांकि कुछ संख्या पाकिस्तान के उत्तर बलूचिस्तान इलाके में भी है। सीमांत और उत्तर के जनजातीय इलाके में टीटीपी के बढ़ते प्रभाव के पीछे अफगान तालिबान का हाथ पीठ पर होना है और इससे पाकिस्तानी सरकार चिंतित और नाराज है। अनुमान है कि पिछले तीन महीनों में टीटीपी ने इस्लामाबाद में आत्मघाती हमले सहित लगभग 140 आतंकी वारदातें की हैं। फिलहाल पाकिस्तान-टीटीपी के बीच शांति वार्ता की संभावना क्षीण है। एक हालिया टेलीविज़न साक्षात्कार में पाकिस्तान के गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा कि अगर अफगान सरकार टीटीपी पर कड़ी कार्रवाई नहीं करेगी तो पाकिस्तान उन्हें खुद निशाना बनाने से गुरेज नहीं करेगा। पाकिस्तान का मानना है कि अफगानिस्तान और उसके अपने कबायली इलाके में टीटीपी के तकरीबन 7-10 हजार लड़ाके हैं। उधर, अफगानिस्तान के उपप्रधानमंत्री अहमद यासीर ने पाकिस्तानी धमकी का लगभग मखौल उड़ाते हुए, ऐसा करने पर, गंभीर अंजाम भुगतने की चेतावनी दे डाली। आगे और चिढ़ाने की खातिर 17 दिसम्बर, 1971 के दिन, बांग्लादेश युद्ध में, भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते पाकिस्तानी जनरल एएके नियाज़ी की फोटो ट्वीटर पर साझा कर डाली! टीटीपी के उद्भव के लिए और कोई नहीं बल्कि खुद पाकिस्तान जिम्मेवार है क्योंकि अपनी भूमि पर जिन अफगान तालिबान की मेजबानी की, हथियार, उपकरण और सिखलाई देकर सुसज्जित किया, उन्होंने ही अपने पाकिस्तानी पश्तून भाइयों को तैयार किया है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना के पलायन के बाद कुछ तालिबान नेता सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर हैं। अभी तक पाकिस्तान तालिबान को अपना समर्थन देने के लिए मानता आया है कि काबुल की सत्ता में उनकी मौजूदगी से भारत के विरुद्ध सामरिक बढ़त रहेगी। यह नीति तब से जारी है जब आईएसआई की मदद से तालिबान आतंकी इंडियन एयरलाइंस की उड़ान आईसी-814 को अपहृत कर काबुल ले गए थे। हालांकि भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को आधिकारिक तौर पर मान्यता नहीं दी है, लेकिन मेडिकल और अन्य मानवीय सहायता प्रदान कर यथेष्ट व्यावहारिक संबंध कायम कर रखा है, इसके लिए काबुल में एक दफ्तर समन्वय कर रहा है। रूस और चीन की तरह भारत ने भी तालिबान के साथ संबंधों को लेकर विपरीत या नुक्ताचीनी वाला रुख नहीं अपनाया। उम्मीद है आगे भी भारत अफगान लोगों के लिए मानवीय सहायता के तहत भोजन, मेडिकल और आर्थिक मदद जारी रखेगा, किंतु तमाम पहलू ध्यान में रखकर। पाकिस्तान अब सीधे-सीधे टीटीपी लड़ाकों पर हमले की धमकी दे रहा है, जाहिर है यह चेतावनी अमेरिका की शह और मदद से है। लेकिन यह हरकत ड्यूरंड सीमारेखा के आरपार के पश्तूनों में पाकिस्तानी सेना का मुकाबला करने में एका बनाने का इंतजाम कर देगी। अनुमान है कि पिछले साल आपसी सशस्त्र संघर्ष में 374 पाकिस्तानी फौजी और 365 टीटीपी लड़ाके मारे गए हैं। पाकिस्तान और अमेरिकी सरकारों द्वारा अफगानिस्तान की भू-राजनीतिक विषय की ओर ही ध्यान ज्यादा रखने से आम नागरिकों को दरपेश नित बढ़ती मुश्किलें गौण हो चुकी हैं, जबकि अमेरिका, अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष और अन्य मित्र राष्ट्र जैसे कि सऊदी अरब और चीन की मदद के बावजूद पाकिस्तान दिवालिया होने की ओर लगातार बढ़ रहा है। पाकिस्तान के अनुभवी और चतुर वित्तमंत्री इशाक डार, जो कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ के भी पसंदीदा हैं, अपने भद्र काबीना सहयोगी और योजना मंत्री एहसान इकबाल के साथ करीबी तालमेल बनाते हुए देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए यथार्थवादी नीतियां बरत रहे हैं। पाकिस्तान सऊदी अरब से 3 बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता मिलने की आस लगाए बैठा है। लेकिन यह तमाम उपाय भी दीर्घ-काल में कम ही प्रासंगिक होंगे जब तक कि पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की सख्त शर्तों का पालन न करे। यदि अब भी पाकिस्तान का प्रबंधन माकूल न रहा, तो विदेशी मुद्रा भंडार से भुगतान करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। जहां अमेरिका को पाकिस्तान का टीटीपी और तालिबान के अड्डों पर हमला करना रास आएगा वहीं तालिबान अपने हमबिरादरों पर पाकिस्तानी थलीय या हवाई हमले होते देख मुंह नहीं फेरने वाला। इसी बीच, लगता है शाहबाज़ शरीफ़ के नेतृत्व वाली सरकार पर लोगों का भरोसा उठने लगा है। हालांकि पाकिस्तान धीरे-धीरे अपने वर्तमान आर्थिक संकट से उबर सकता है परंतु शाहबाज़ शरीफ़ सरकार को कड़े आर्थिक निर्णय लेने की जरूरत पड़ेगी, जिसका नतीजा इस साल के अंत में होने वाले आम चुनाव में महंगा पड़ सकता है। सऊदी अरब और अन्य मुल्कों द्वारा माली सहायता के आश्वासन के बावजूद शाहबाज़ शरीफ़ सरकार के लिए आगामी दिन मुश्किल भरे होने वाले हैं। सत्ताधारियों द्वारा इमरान खान को आगामी चुनाव लड़ने के अयोग्य करार देने के प्रयासों के परिणामवश स्थिति और बिगड़ेगी। जनरल बाज़वा की हालिया सेवानिवृत्ति और उनके शागिर्द जनरल सईद असीम मुनीर का सेनाध्यक्ष बनना संकेत है कि पाकिस्तानी सरकार और बाइडेन प्रशासन के बीच मौजूदा रिश्ता आगे भी कायम रहेगा। आखिरकार जनरल बाजवा ही थे जिनकी देखरेख में रॉयल ब्रिटिश वायुसेवा के जहाजों से युद्धक सामग्री बारास्ता पाकिस्तान यूक्रेन पहुंचानी संभव हो सकी है। इसके अलावा, वाशिंगटन में पहले ही काफी चर्चा है कि तालिबान के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की सूरत में अमेरिका पाकिस्तान की मदद करेगा। लेकिन यहां पर याद रखना मौजूं होगा कि अफगानिस्तान का नाम पहले ही बतौर 'साम्राज्यों का कब्रिस्तान' मशहूर है। जाहिर है, अफगान तालिबान पाकिस्तानी भूमि या अपनी सरजमीं पर पश्तून कबीले पर पाकिस्तान के धौंस भरे थलीय या हवाई हमले होते देख शांत नहीं रहेगा।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

समाज-समाज खेलने के चक्कर में सामाजिक समरसता दांव पर ?

(लेखक- अरुण दीक्षित)

एमपी की राजधानी भोपाल में पिछले दिनों हुए करणी सेना के आंदोलन के दौरान और बाद में जो कुछ हुआ है उससे दो बड़े सवाल खड़े हुए हैं! पहला क्या एक समाज को साधने की कोशिश में पूरे प्रदेश की सामाजिक समरसता को दांव पर लगाया जा सकता है? दूसरा -क्या वरिष्ठतम मुख्यमंत्रियों में से एक शिवराज सिंह चौहान के मंत्री ही उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं? पूछा यह भी जा रहा है कि क्या मुख्यमंत्री इतने असहाय और लाचार हो गए हैं कि उनके प्रति सार्वजनिक रूप से अपशब्द कहने वालों के खिलाफ कठोर कदम नहींउठा पा रहे हैं? इन सवालों पर बात करने से पहले एक बार फिर घटना पर नजर डाल लेते हैं। गत 8 से 12 जनवरी तक भोपाल में करणी सेना के एक गुट ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन किया। हालांकि आंदोलन को अनुमति सिर्फ एक दिन की थी लेकिन आंदोलनकारी एक सड़क पर धरना देकर बैठ गए। लाखों लोगों को भारी परेशानी हुई। इसी धरने के दौरान प्रदर्शन कर रहे कुछ युवकों ने मुख्यमंत्री को अश्लील गालियां दीं। बहुत ही आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। वीडियो बनाया! उसे सोशल मीडिया पर वायरल किया। बताते हैं कि यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ था। उसके बाद मंत्रिमंडल के एक वरिष्ठ सदस्य ने धरना स्थल पर जाकर आंदोलनकारियों के नेता को जूस पिलाकर आंदोलन खत्म कराया। साथ ही सरकार की ओर से एक आश्वासन पत्र भी दिया कि करणी सेना की 22 में से 19 मांगे मान ली जाएंगी। यहां यह बात भी लाजमी है कि अगर इन्हीं मंत्री जी को जूस पिलाकर आंदोलन खत्म कराना था तो वे यह काम 5 जनवरी को मुख्यमंत्री निवास में भी कर सकते थे! ऐसा करके वे सरकार को फजीहत से और शहर के लाखों लोगों को परेशानी से बचा सकते थे। जब मंत्री आंदोलन खत्म करा रहे थे तब मुख्यमंत्री को गाली देने वालों का वीडियो सोशल मीडिया में घूम रहा था। उन्होंने मीडिया में इस बारे में कुछ नहीं कहा। न ही बाद में वे इस बारे में बोले। अगले दिन जब हंगामा शुरू हुआ और मुख्यमंत्री के प्रति गलत भाषा के इस्तेमाल को लेकर आम आदमी में गुस्सा फैला तो पुलिस ने कुछ अज्ञात लोगों के नाम मुकदमा दर्ज किया। पुलिस आंदोलन करने वाले नेता और उसके साथियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट नहीं कर पाई। बाद में पुलिस हरियाणा से एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी करके लाई। इस मामले में मंत्रीमंडल के एक अन्य सदस्य की इसी दौरान करणी सेना के कुछ सदस्यों की मुलाकात भी चर्चा में रही। साथ ही बीजेपी के ही एक अन्य पूर्व मंत्री के करीबी का भी नाम सामने आया। शिवराज मंत्रिमंडल में इस समय 8 राजपूत मंत्री हैं। इनमें से एक महेंद्र सिंह सिसोदिया को छोड़ किसी ने भी अपने मुखिया को गालियां दिए जाने का विरोध नहीं किया। न ही किसी ने करणी सेना के इस कदम की सार्वजनिक निंदा की! कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए सिसोदिया ने इस पूरी घटना के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार बताया और कहा कि गाली देने वाले कांग्रेसी थे। मंत्रिमंडल के बाकी सदस्य मौन रहे और आज भी मौन हैं। आंदोलन खत्म कराने वाले मंत्री महोदय भी कुछ नहींबोले हैं। हां दो दिन बाद उन्होंने यह जरूर कहा है कि करणी सेना का आंदोलन राजनैतिक था। उसकी 22 मांगों में से 20 का राजपूत समाज से कोई लेना देना नहीं है। अब उनसे कौन पूछे कि अगर आंदोलन राजनैतिक था तो उससे सख्ती से क्यों नहींनिपटा गया। क्यों चार दिन तक लाखों लोगों को परेशानी में डाला गया? साथ ही उन्होंने 22 में से 19 मांगों पर सहमति पत्र क्यों दिया। क्यों अधिकारियों की समिति बनाने की बात मीडिया से कही और फिर बाद में भी मुख्यमंत्री को गाली दिए जाने की निंदा क्यों नहीं की? अन्य राजपूत मंत्री क्या करणी सेना के डर के मारे मौन साधे हैं? भोपाल में जब यह आंदोलन और धरना हुआ तब मुख्यमंत्री भोपाल में नहीं थे। वे इंदौर में अप्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में व्यस्त थे! सवाल यह भी है कि क्या प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने स्तर पर इस समस्या का समाधान नहीं खोजा या फिर उन्हें यह कहा गया था कि कुछ नहीं करना है। शायद यही वजह है कि आंदोलनकारियों के बीच चार दिन तक रहने के बाद भी ये पुलिस अफसर नामजद रिपोर्ट तक दर्ज नहीं कर पाए? क्या उन्हें आम आदमी की तरह प्रदेश के मुखिया के सार्वजनिक अपमान पर भी पहले सबूत चाहिए था? सोशल मीडिया में वायरल वीडियो को उन्होंने गंभीरता से क्यों नहीं लिया? देखना यह होगा कि इन अफसरों के खिलाफ सरकार क्या कदम उठाती है। आज हालत यह है कि मुख्यमंत्री को गाली दिए जाने के बाद पिछड़े वर्गों के लोग नाराज हैं। खासतौर पर मुख्यमंत्री से जुड़ा किरार और धाकड़ समाज बेहद आक्रोशित है। इस समाज के लोगों ने 20 जिलों में प्रदर्शन किया है ज्ञापन दिए हैं। करणी सेना के खिलाफ करीब दो दर्जन मुकदमें भी दर्ज कराए हैं। धाकड़ और किरार समाज के लोग भोपाल में प्रदर्शन भी करने वाले थे। लेकिन उन्हें रोक लिया गया है। इस बीच पिछड़े वर्ग के सरकारी कर्मचारियों के संगठन अपाक्स ने भी मुख्यमंत्री को गाली दिए जाने की निंदा की है। अपाक्स ने कहा है कि आंदोलन करना सबका अधिकार है लेकिन भाषा शालीन होनी चाहिए। मुख्यमंत्री के प्रति अपशब्दों के इस्तेमाल की हम निंदा करते हैं।खबर यह भी है कि किरार और धाकड़ समाज इस मुद्दे पर बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। मतलब साफ है कि एक समाज के आगे सरकार की कमजोरी ने प्रदेश की सामाजिक समरसता को ही खतरे में डाल दिया है। यह सब जानते हैं कि प्रदेश में पिछड़े वर्ग का बहुमत है। इसी वजह से बीजेपी ने मुख्यमंत्री की कुर्सी इसी वर्ग के लिए अघोषित रूप से आरक्षित कर रखी है। अगर यह समाज मुख्यमंत्री के अपमान को अपना अपमान मान के आगे बढ़ता है तो क्या स्थित बनेगी उसका अंदाज ही लगाया जा सकता है। वैसे इस मुद्दे पर अभी तक बीजेपी संगठन भी मौन है। उसकी भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। संगठन और अधिकांश मंत्रियों के मौन से यह सवाल उठा है कि क्या मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनों के बीच अलग थलग पड़ गए हैं? क्या वे अपनों के आगे लाचार हो गए हैं? या फिर उनकी पकड़ ढीली हो रही है? इतने बड़े मुद्दे पर उनका अपना समाज तो उनके साथ है लेकिन उनके अपने दल और मंत्रिमंडल के लोग कन्नी काट रहे हैं! क्या उनके अपने ही साथी उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं? और तो और राजपूतों को बीजेपी से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री निवास में बड़ा राजपूत सम्मेलन कराने वाले मंत्री भी करणी सेना के खिलाफ कुछ नहीं बोल रहे हैं।

चमत्कारों ने किया है अहित

जो कुछ सुना जाता है उस पर विश्वास न हो तो सुनने का विशेष अर्थ नहीं हो सकता. गहरे विश्वास के साथ सुनी हुई बात ही दिल को छू सकती है. विश्वास के साथ आवश्यक तत्व है आचरण. तत्व को सुन लिया उस पर विश्वास भी कर लिया पर आचरण नहीं किया तो कोई परिणाम नहीं आ सकेगा. भोजन सामने पड़ा है. मन में दृढ़ विश्वास है कि भोजन करने से भूख समाप्त हो जाएगी पर जब तक भोजन नहीं किया जाता है भूख कैसे मिटेगी. धर्म भी जब तक व्यक्ति के आचरण का विषय नहीं बनता है उससे जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आ सकता। श्रुति श्रद्धा और आचरण तीनों हों फिर भी धर्म का असर न हो यह हो ही नहीं सकता। श्रुति और श्रद्धा के साथ सम्यक आचरण हो जाए तो धर्म के प्रभाव की निश्चित गारंटी दी जा सकती है। स्थिति आज इससे भिन्न है। लोगों का विश्वास धर्म पर नहीं चमत्कार पर है। संतों के दर्शन करें उनसे मंगल पाठ सुने इससे संतति-लाभ हो जाए व्यापार में लाभ हो जाए वर्षों से उलझा हुआ काम सुलझ जाए तो संत अच्छे हैं अन्यथा उनके पास जाने की इच्छा नहीं होती। ऐसे चमत्कारों में मेरा कतई विश्वास नहीं है। इन चमत्कारों ने धर्म और अध्यात्म का जितना अहित किया है शायद ही किसी ने किया हो। चमत्कारों में ही अपनी साधना की सफलता समझने वाला साधक साधना के योग्य हो ही नहीं सकता। चमत्कार में मेरा विश्वास नहीं है इसलिए मैं आपको कोई दिव्य विभूति देने का दावा नहीं करता। मैं अति कल्पना भी नहीं करता कि हर मनुष्य में देवत्व जग जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

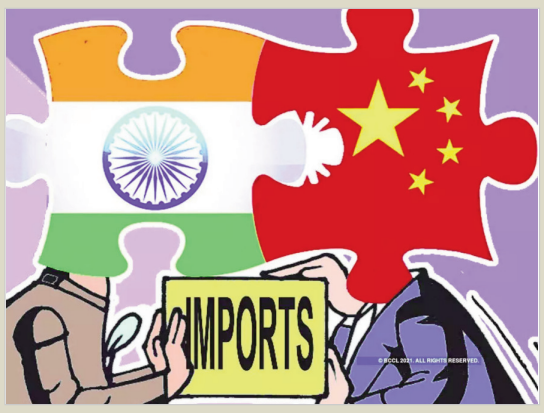

चीन जटिल नियमों से भारत से प्रतिस्पर्धी आयात को रोकता है- जीटीआरआई

नई दिल्ली । नियामकीय और आंतरिक बाजार की दिक्कतों की वजह से चीन को भारत का निर्यात प्रभावित हो रहा है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने यह बात कही। जीटीआरआई ने कहा कि भारत को अपने अपने निर्यातकों के समक्ष आ रहे बाजार पहुंच के मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर चीन के साथ उठाना चाहिए। चीन से आयात के लिए भी भारत समान नियमों को लागू करने पर विचार कर सकता है। शोध संस्थान ने कहा कि सीमा शुल्क के अलावा भारत जैसे देशों से आयात के नियमन को चीन चार प्रमुख बाधाओं का इस्तेमाल करता है। ये हैं नियामकीय आंतरिक बाजार व्यापार रक्षा और राजनीतिक उपाय। जीटीआरआई ने कहा कि चीन जटिल नियमों के माध्यम से भारत से प्रतिस्पर्धी आयात को रोकता है। जीटीआरआई ने कहा कि उत्पादों की गुणवत्ता और मानक समस्या नहीं हैं क्योंकि भारत अमेरिका और यूरोप सहित 100 से अधिक देशों को अपने उत्पादों का निर्यात करता है। फार्मा क्षेत्र का एक उदाहरण देते हुए जीटीआरआई ने कहा कि भारत अपनी 90 प्रतिशत थोक दवाओं या एपीआई का आयात चीन से करता है। भारत एक सरल पंजीकरण प्रणाली के जरिये चीन की कंपनियों को आसान पहुंच उपलब्ध कराता है। वहीं चीन में पंजीकरण के लिए एक से तीन साल का समय लगता है और आयात के समय भी चीन द्वारा जांच की जाती है।

टेस्ला ने की अमेरिका व यूरोप में ईवी की कीमतों में भारी कमी

सैन फ्रांसिस्को. एलन मस्क के स्वामित्व वाली टेस्ला ने बिक्री को बढ़ावा देने के प्रयास में अमेरिका और यूरोप में अपने लाइनअप में ईवी की कीमतों में भारी कमी की है क्योंकि इसका स्टॉक 60 प्रतिशत से अधिक गिर गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार सबसे सस्ता ईवी मॉडल 3 आरडब्ल्यूडी 46990 डॉलर से गिरकर 43990 डॉलर हो गया है। इसके अलावा 5-सीटर मॉडल वाई लॉन्ग रेंज की कीमत 20 फीसदी घटकर 65990 डॉलर से 52990 डॉलर हो गई। बाद वाला मॉडल अब 7500 डॉलर यूएस फेडरल टैक्स क्रेडिट के लिए पात्र है जिसके परिणामस्वरूप 20500 डॉलर की अंतिम कीमत में कमी आई है जो कि 30 प्रतिशत से अधिक है। मॉडल 3 और मॉडल वाई के परफोर्मेन्स वर्जन्स और मॉडल एस और मॉडल एक्स के नियमित और प्लेड वर्जन्स सहित अन्य मॉडलों के लिए भी कीमतों में कटौती की गई थी। हालांकि मॉडल वाई के 7-सीटर विकल्प की कीमत 1000 डॉलर से 4000 डॉलर तक बढ़ गई है। जर्मनी में मॉडल 3 और मॉडल वाई की कीमतों में एक से 17 प्रतिशत की कमी की गई और ऑस्ट्रिया स्विट्जरलैंड और फ्रांस में भी गिरावट आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि 80000 डॉलर से कम कीमत वाली एसयूवी और 55000 डॉलर से कम कीमत वाली कारें कर छूट के पात्र हैं। इस बीच इलेक्ट्रिक कार निर्माता ने 2022 के लिए उत्पादन और डिलीवरी में 50 प्रतिशत की वृद्धि के अपने लक्ष्य को याद किया है क्योंकि पिछले साल मस्क के 44 अरब डॉलर के ट्विटर अधिग्रहण के दौरान इसका स्टॉक लगभग 65 प्रतिशत गिर गया था।

टेस्ला ने की 7500 डॉलर की छूट की पेशकश

वाहन निर्माता को 50 प्रतिशत वृद्धि मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अपनी चौथी तिमाही में 495760 वाहन बेचने की आवश्यकता थी। चौथी तिमाही में टेस्ला ने 439000 से अधिक वाहनों का उत्पादन किया और 405000 से अधिक वाहनों की डिलीवरी की। निवेशकों को डर है कि चीन की कोविड स्थिति और आपूर्ति श्रृंखला संबंधी चुनौतियां टेस्ला की बिक्री को और प्रभावित करेंगी। वे अपने ट्विटर ओवरहाल द्वारा मस्क की व्याकुलता के बारे में भी चिंतित हैं। टेस्ला के सीईओ हाल ही में अपने निवल मूल्य से 200 अरब डॉलर खोने वाले पहले व्यक्ति बने। टेस्ला ने पिछले महीने अपने मॉडल 3 और मॉडल वाई वाहनों के लिए 7500 डॉलर की छूट की पेशकश करते हुए अधिक वाहनों को बेचने के लिए अपने कई मॉडलों पर कीमतों में गिरावट की घोषणा की।

जनवरी में अब तक एफपीआई ने शेयर बाजारों से निकाले 15000 करोड़

मुंबई ।

दुनिया के कुछ हिस्सों में कोरोना संक्रमण के मामले में बढ़ोतरी और अमेरिका में मंदी की चिंता के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने दो से 13 तक भारतीय शेयर बाजारों से 15000 करोड़ रुपए निकाले हैं। एफपीआई पिछले कुछ सप्ताह से भारतीय शेयर बाजारों के प्रति सतर्क रुख अपना रहे हैं। बाजार के विशेषज्ञ कहते हैं कि आगे चलकर एफपीआई के प्रवाह में उतार-चढ़ाव रहेगा। हालांकि घरेलू और वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति अब नीचे आ रही है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने दो से 13 जनवरी के दौरान भारतीय शेयर बाजारों से 15068 करोड़ रुपए निकाले हैं। जनवरी के 10 कारोबारी सत्रों में सिर्फ दो दिन एफपीआई शुद्ध लिवाल रहे हैं। इससे पहले एफपीआई ने दिसंबर में शेयर बाजारों में 11119 करोड़ रुपए का निवेश किया था। नवंबर में उन्होंने 36239 करोड़ रुपए का निवेश किया था। कुल मिलाकर एफपीआई ने 2022 में भारतीय शेयर बाजारों से 1.21 लाख करोड़ रुपए निकाले थे। इसकी प्रमुख वजह वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा आक्रामक तरीके से ब्याज दरों में वृद्धि विशेष रूप से फेडरल रिजर्व का आक्रामक रुख कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से जिंस कीमतों में तेजी है। बीता साल एफपीआई प्रवाह के लिहाज से सबसे खराब रहा है। इससे पिछले तीन साल में एफपीआई भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध निवेशक रहे थे। जनवरी में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार से भी 957 करोड़ रुपए की निकासी की है। भारत के अलावा इंडोनेशिया में एफपीआई का प्रवाह नकारात्मक रहा है। हालांकि फिलिपीन दक्षिण कोरिया और थाइलैंड के बाजार में वे शुद्ध लिवाल रहे हैं।

सरकार पुराने वाहन कबाड़ करने राज्यों को देगी 2000 करोड़ का प्रोत्साहन

- पुराने वाहनों पर देनदारियों की छूट भी होगी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार राज्यों को पुराने सरकारी वाहनों या 15 साल से अधिक पुराने वाहनों को कबाड़ करने के लिए पूंजीगत निवेश योजना के लिए विशेष सहायता के तहत 2000 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन देगी। इसके अलावा वाहन को कबाड़ के लिए पेशकश करने वाले लोगों को भी कर छूट दी जाएगी। सरकार ने 2022-23 के बजट में 1.05 लाख करोड़ रुपए के व्यय के साथ पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना पेश की थी। योजना के तहत राज्य सरकारों को पूंजीगत परियोजनाओं के लिए 50 साल के लिए ब्याज मुक्त कर्ज के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है। अब केंद्र ने इस योजना के तहत अतिरिक्त 2000 करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं। पिछले महीने राज्यों को लिखे पत्र में वित्त मंत्रालय ने कहा था कि योजना के तहत निर्धारित सुधारों में नए क्षेत्र के रूप में सड़क परिवहन को जोड़ा गया है। योजना में पुराने वाहनों को कबाड़ करने के लिए प्रोत्साहन को जोड़ा गया है। राज्य सरकार के 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को कबाड़ करने के लिए 2000 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है। इसके अलावा पुराने वाहनों पर देनदारियों की छूट होगी और जो लोग अपना पुराना वाहन कबाड़ के लिए लाएंगे उन्हें कर रियायत दी जाएगी। सड़क परिवहन क्षेत्र को इसमें शामिल करने के साथ योजना के तहत कुल व्यय 1.05 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 1.07 लाख करोड़ रुपए हो गया है। अभी तक सरकार ने योजना के तहत 77110 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं जिसमें से राज्यों को 41118 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं।

(शेयर बाजार समीक्षा) कंपनियों के परिणाम और महंगाई के आंकड़ें तय करेंगे बाजार की दिशा

- वैश्विक रुझान और कच्चे तेल की कीमतों का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा

नई दिल्ली ।

थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा विदेशी कोषों के रुख से इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वैश्विक रुझान और कच्चे तेल की कीमतों का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। तीसरी तिमाही के नतीजों की शुरुआत सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कुछ बड़ी कंपनियों के साथ हुई है। इस सप्ताह एचडीएफसी बैंक इंडसइंड बैंक एशियन पेंट्स जेएसडब्ल्यू स्टील और एचयूएल सहित कुछ बड़ी कंपनियों के कमाई के आंकड़े आएंगे। वैश्विक मोर्चे पर मार्टिन लूथर किंग जूनियर दिवस के कारण अमेरिकी बाजार सोमवार को बंद रहेंगे। हालांकि अमेरिका यूरोप और चीन से कई वृहद आंकड़े आने हैं। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों का उतार-चढ़ाव अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल और डॉलर सूचकांक पर निवेशकों की निगाह रहेगी। बाजार के जानकारों ने कहा है कि आगे चलकर बाजार की दिशा कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक संकेतकों से तय होगी। वृहद आर्थिक मोर्चे पर 16 जनवरी को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े आएंगे। सभी की निगाह बैंक क्षेत्र के शेयरों पर रहेगी। सबसे पहले बाजार एचडीएफसी बैंक के

आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देगा। इसके अलावा बाजार भागीदारों की निगाह इंडसइंड बैंक कोटक बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के तिमाही नतीजों पर होगी। इसके अलावा पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने करीब 10000 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। बाजार की भविष्य की दिशा के लिए एफआईआई का रुझान काफी महत्वपूर्ण है।

सप्ताह के दौरान फेडरल बैंक बैंक ऑफ इंडिया और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के तिमाही पे रिणाम भी आने हैं।

भारत ने दिसंबर में रूस से प्रतिदिन 10 लाख बैरल कच्चा तेल आयात किया

- नवंबर में रूस से भारत का आयात 909403 बैरल प्रतिदिन था।

नई दिल्ली ।

भारत के लिए रूस सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात दिसंबर 2022 में बढ़कर 10 लाख बैरल प्रतिदिन पर पहुंच गया है। ऊर्जा की खेप पर नजर रखने वाली वॉर्टेक्सा के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पहली बार रूस से तेल आयात 10 लाख बैरल प्रतिदिन से अधिक रहा है। रूस 31 मार्च 2022 को समाप्त साल तक भारत के कुल कच्चा तेल आयात में सिर्फ 0.2 प्रतिशत का योगदान देता था। दिसंबर में उसने भारत को प्रतिदिन 11.9 लाख बैरल कच्चे तेल की आपूर्ति की। इससे पहले नवंबर में रूस से भारत का आयात 909403 बैरल प्रतिदिन था। अक्टूबर 2022 में यह 935556 बैरल प्रतिदिन था। ऊर्जा आसूचना कंपनी वॉर्टेक्सा के अनुसार रूस से सबसे अधिक कच्चे तेल के आयात का पिछला रिकॉर्ड जून 2022 में बना था। उस समय भारत ने रूस से प्रतिदिन 942694 बैरल कच्चा तेल खरीदा था। रूस अक्टूबर 2022 में पहली बार परंपरागत विक्रेताओं को पीछे छोड़ते हुए भारत का प्रमुख कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बना था। अब भारत के कुल कच्चा तेल आयात में रूस का हिस्सा बढ़कर 25 प्रतिशत हो गया है। उद्योग सूत्रों ने बताया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता और आयातक देश है। यह अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। रिफाइनरियों में कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता है। वॉर्टेक्सा के अनुसार भारत ने दिसंबर

में इराक से 803228 बैरल प्रतिदिन और सऊदी अरब से 718357 बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया। संयुक्त अरब अमीरात दिसंबर 2022 में 323811 बैरल प्रतिदिन के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता रहा।

बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक चड्ढा का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली ।

सरकार ने बैंक ऑफ बड़ौदा (बॉब) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजीव चड्ढा का कार्यकाल 30 जून तक कर दिया है। उनका कार्यकाल 19 जनवरी को समाप्त हो रहा था। इससे पहले 14 जनवरी 2023 को उनका कार्यकाल बढ़ाने का फैसला किया गया है। सूत्रों ने कहा कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने चड्ढा का कार्यकाल 30 जून 2023 तक बढ़ाने के वित्तीय सेवा विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस बीच वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) ने बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यकारी निदेशक (ईडी) देवदत्त चंद की पदोन्नति की सिफारिश की। एफएसआईबी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए निदेशकों की नियुक्ति की सिफारिश करता है। इसके अलावा ब्यूरो ने बैंक ऑफ इंडिया में प्रबंध निदेशक और सीईओ के पद के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक रजनीश कर्नाटक के नाम की सिफारिश की है। एफएसआईबी की सिफारिश पर अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति द्वारा लिया जाएगा। ब्यूरो ने नवंबर 2022 में केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ पद के लिए के सत्यनारायण राजू के नाम का सुझाव दिया था। राजू वर्तमान में बैंक के कार्यकारी निदेशक हैं। राजू के स्थान पर इंडियन बैंक के महाप्रबंधक एच एस अहलूवालिया के आने की संभावना है।

सेबी ने सुब्रत रॉय से कहा- 15 दिन में जमा करें 6.48 करोड़

नई दिल्ली । सहारा इंडिया और उसके प्रमुख सुब्रत राय की मु श्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सहारा समूह की कंपनी सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (एसएचआईसी) उसके प्रमुख सुब्रत राय और अन्य को नोटिस भेजा है। इसमें सेबी ने उन्हें 15 दिन के अंदर 6.48 करोड़ रुपए जमा करने के लिए कहा है। सेबी ने रुपए जमा नहीं करने पर परिसंपत्तियों और बैंक खातों को जब्त करने की चेतावनी भी दी है। दरअसल ये कंपनियां सेबी द्वारा लगाए गए जुर्माने को जमा करने में असफल रही हैं। इसके बाद उन्हें नोटिस जारी किया गया है। गौरतलब है कि सेबी ने जून में अपने आदेश में सहारा समूह की दो कंपनियों सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन और सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉरपोरेशन (अब सहारा कमोडिटी सर्विसेज कॉरपोरेशन) और सुब्रत राय अशोक राय चौधरी रवि शंकर दुबे और वंदना भार्गव पर 12 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इन इकाइयों पर यह जुर्माना वैकल्पिक पूर्ण परिवर्तनीय डिबेंचर (ओएफसीडी) जारी करने में नियामकीय नियमों के उल्लंघन के लिए लगाया गया था।

कच्चा तेल स्थिर कई राज्यों में घटी पेट्रोल-डीजल की कीमत

- ब्रेंट क्रूड 85.28 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 79.86 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है। ब्रेंट क्रूड 85.28 डॉलर प्रति बैरल है। वहीं डब्ल्यूटीआई 79.86 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। रविवार को भी देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत 0.64 रुपए घटकर 106.32 रुपए प्रति लीटर हो गई है। यहां डीजल 0.62 रुपए गिरकर 92.84 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। वहीं बिहार में पेट्रोल की 0.27 रुपए सस्ता होकर 108.90 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.25 रुपए घटकर 95.57 रुपए प्रति लीटर है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल के दाम में कोई बदलाव नहीं है लेकिन डीजल की कीमत 0.49 रुपए कम कर दी गई है। यहां डीजल 96.06 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। इसी तरह हिमाचल और मध्य प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत नीचे आई है। उधर पंजाब में पेट्रोल 0.37 रुपए महंगा होकर 96.77 रुपए और डीजल 0.35 रुपए बढ़कर 87.11 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपएप्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.43 रुपए और डीजल 89.63 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

अगर पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी में शामिल किया गया तो होगा फायदा

ईंधन को जीएसटी में लाने से विभिन्न उत्पादों की कीमत में आएगी कमी जिसका लाभ ग्राहकों को मिलेगा

नई दिल्ली ।

पेट्रोल डीजल और एटीएफ जीएसटी के दायरे से अभी बाहर हैं। इन पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क और राज्यों का वैट लगता है। अलग-अलग टैक्स ओ खिर में यूजर्स पर सम्मिलित रूप से भारी पड़ जाते हैं।विभिन्न उद्योगों के हितधारकों ने इसलिए पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी में शामिल करने की मांग की है। इससे वह इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा कर सकेंगे और उन पर किसी सामान के उत्पादन में आने वाला खर्च कुछ कम हो सकेगा। अगर इस विचार को बजट 2023 में जगह मिलती है तो आम लोगों के अलावा इसका सबसे बड़ा फायदा लॉजिस्टिक उद्योग को मिलेगा। लॉजिस्टिक फिलहाल भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।यहां से रोजगार के भी नए अवसर बनेंगे। इस इंडस्ट्री के लिए पेट्रोल डीजल या एटीएफ बेहद महत्वपूर्ण खर्च है। इन्हें जीएसटी में लाने से विभिन्न उत्पादों की ओवरऑल कास्ट घट जाएगी जिसका फायदा ग्राहकों को होगा। साथ ही इससे महंगाई भी

नीचे लाई जा सकती है। हालांकि अभी तक जीएसटी परिषद की ओर से इस बात का कोई संकेत नहीं मिला है कि ईंधन को जीएसटी के दायरे में लाया जाएगा या नहीं। पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में शामिल करने की मांग कोई नई नहीं है। यह मांग काफी पहले से उठ रही है। हालांकि हर बार इसकी मांग करने वालों को निराशा ही हाथ लगती है। 2021 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि जीएसटी परिषद के सदस्यों ने अपनी 45वीं बैठक में ईंधन को जीएसटी के तहत शामिल नहीं करने का फैसला किया है। ऐसा करने के पीछे टैक्स जेनरेशन काफी बड़ा कारक है। राज्य भी नहीं चाहते कि पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए। इससे उनके राजस्व पर सीधे-सीधे प्रभाव पड़ेगा। साथ ही केंद्र के खजाने पर भी इसका कुछ असर हो सकता है।

(तेल तिलहन बाजार समीक्षा) बीते सप्ताह तेल तिलहन के कारोबार में रही गिरावट

- स्थानीय मांग होने से मूंगफली तेल-तिलहन के भाव में थोड़ी मजबूती रही

नई दिल्ली ।

विदेशों में तेल-तिलहनों की कीमतें कम होने की वजह से दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के कारोबार में नुकसान देखने को मिला। दूसरी ओर निर्यात और खाने की स्थानीय मांग होने के साथ-साथ किसानों द्वारा मंडियों में रोक-रोक कर माल लाने से मूंगफली तेल-तिलहन के भाव थोड़ा मजबूत हो गए। सामान्य कारोबार के बीच बाकी तेल-तिलहनों के भाव पूर्वस्तर पर ही बने रहे। सूत्रों के मुताबिक पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव पांच रुपए की साधारण गिरावट के साथ 6880-6930 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल भी समीक्षाधीन सप्ताहांत में 350 रुपए की हानि के साथ 13300 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 55-55 रुपए घटकर क्रमशः 2025-2155 रुपए और 2085-2210 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने का भाव 150 रुपए टूटकर 5550-5650 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि सोयाबीन लूज का थोक भाव 150 रुपए की गिरावट के साथ 5295-5315 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दिल्ली सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के दाम भी क्रमशः 350 रुपए 300 रुपए और 250 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 13200 रुपए 13100 रुपए और 11550 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। किसानों के कम भाव में बिकवाली नहीं करने और निर्यात के साथ स्थानीय खाने की मांग के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहनों कीमतों में सुधार देखने को मिला। समीक्षाधीन सप्ताहांत में मूंगफली तिलहन का भाव 40 रुपए बढ़कर 6675-6735 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 130 रुपए बढ़कर 15780 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 10 रुपए बढ़कर 2490-2755 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ।

विप्रो ने तीसरी तिमाही में 30.5 अरब रुपए किए पोस्ट

मार्जिन में 120 आधार अंकों का सुधार हुआ

चेन्नई ।

प्रौद्योगिकी सेवाओं और परामर्श कंपनी विप्रो लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही को 30.5 अरब रुपए के शुद्ध लाभ के साथ बंद किया। मीडिया के अनुसार कंपनी बोर्ड ने शुक्रवार को अपनी बैठक में प्रति इक्विटी शेयर एक रुपए के अंतरिम लाभांश की घोषणा की। विप्रो ने 232.3 अरब रुपए (वित्त वर्ष 2022 की तीसरी तिमाही 203 अरब रुपये) का राजस्व अर्जित किया था और 30.5 अरब रुपए (29.6 अरब रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। सीईओ और प्रबंध निदेशक थियरी डेलापोर्टे के अनुसार मार्जिन में 120 आधार अंकों का सुधार हुआ और कर्मचारियों की छंटनी में लगातार चौथी तिमाही में सुधार हुआ। डेलापोर्टे ने कहा कि ग्राहक संबंधों को गहरा करने और हायर विन रेट्स के परिणामस्वरूप हम बाजार हिस्सेदारी हासिल करना जारी रख रहे हैं। मुख्य वित्तीय अधिकारी जतिन दलाल ने कहा कि मार्जिन का यह विस्तार हमारे वरिष्ठ नेतृत्व के लिए वेतन वृद्धि पदोन्नति और दीर्घकालिक प्रोत्साहन के माध्यम से हमारे लोगों में किए गए निवेश को अवशोषित करने के बाद था। मार्जिन वृद्धि मजबूत परिचालन सुधारों और स्वचालन-आधारित दक्षताओं द्वारा अगुआई की गई थी। हमने तिमाही के लिए अपनी शुद्ध आय के 143 प्रतिशत पर मजबूत परिचालन नकदी प्रवाह उत्पन्न किया और हमारे ईपीएस में तिमाही-दर-तिमाही 14.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारत ने दिया क्लीन स्वीप

आखिरी वनडे में श्रीलंका को 317 से दी करारी शिकस्त

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारत ने तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ तीसरा और सीरीज के आखिरी वनडे मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। भारत ने शानदार शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी के बाद शुभमन गिल तथा विराट कोहली की शतकीय पारियों की बदौलत श्रीलंका को 391 रन का लक्ष्य दिया है। श्रीलंका की तरफ से कसुन राजिता और लाहिरु कुमारा ने 2-2 विकेट झटके।

भारत को पहला झटका रोहित शर्मा के रूप में लगा जो बाउंड्री लगाने की कोशिश में करुणारत्ने की 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर अविष्का फर्नांडो के हाथों कैच आउट हो गए। उन्होंने 49 गेंदों पर 2 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 42 रन बनाए। शुभमन गिल शतकीय पारी खेलने के बाद 34वें ओवर की चौथी गेंद पर राजिता की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 87 गेंदों पर 116 रन बनाए जिसमें 14 चौके और 2 छक्के शामिल थे। हालांकि विराट कोहली टिके रहे और उन्होंने इसके बाद 43वें ओवर में अपना 46वां वनडे शतक पूरा किया। इसके बाद भारत को अय्यर (38) के रूप में तीसरा झटका लगा जो लाहिरू कुमारा की 46वें ओवर की तीसरी गेंद पर धनंजय डी सिल्वा को कैच थम बैठे। केएल राहुल ने मात्र 7 रन बनाकर लाहिरू कुमारा की 48वें ओवर की पांचवीं गेंद पर वेल्लालेज के हाथों कैच आउट हो गए। सूर्यकुमार ने आते ही 360 शॉट्स लगाने शुरू किए और दो बार जीवनदान मिलने के बाद 49वें ओवर की चौथी गेंद पर 4 रन बनाकर अविष्का फ़र्नांडो के हाथों कैच आउट हो गए। इस दौरान रजिता गेंदबाजी पर थे।

पेरिस ओलंपिक में स्थान पक्का करने पर नजरें, लक्ष्य सेन बोले- 'स्पीड' और 'वैरिएशन' पर काम किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने नये सत्र के लिए खुद को तैयार करने के लिये अपनी 'स्पीड' और 'वैरिएशन' पर काम किया है जिसमें उनकी निगाहें एशियाई और यूरोपीय सर्किट पर खिताब जीतकर जल्द से जल्द पेरिस ओलंपिक के लिए स्थान पक्का करने पर लगी हैं।

सेन ने 2022 की शुरूआत इंडिया ओपन में अपने पहले सुपर 500 खिताब से की और फिर आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता और फिर भारत की थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत में भी भूमिका अदा की। सेन ने कहा, 'यह मेरे लिए सही समय है। अगर मैं इसी रैंकिंग को बरकरार रख सकता हूं और सुधार करना जारी रखता हूं तो मेरे पास क्वालीफाई करने का अच्छा मौका है। दुर्भाग्य से पिछली बार मैं क्वालीफाई करने का करीब पहुंच गया था लेकिन कोविड-19 के कारण कुछ टूर्नामेंट आयोजित नहीं हुए लेकिन वो भी सीखने का अनुभव रहा।'

उन्होंने कहा, 'मैं मुख्य रूप से अपनी फिटनेस पर ध्यान लगाये हूं। मेरी नाक की सर्जरी के बाद मेरी फिटनेस गिर गई लेकिन मुझे खाली समय के दौरान वापसी के लिये समय मिल गया। मैंने अपनी 'स्पीड', फुर्ती और बैककोर्ट से वैरिएशन पर काम का। मैं अपने डिफेंस पर भी लगातार काम कर रहा हूं।' सेन ने कहा, 'बड़े टूर्नामेंट खेलने से मेरा काफी आत्मविश्वास बढ़ा। मुझे शीर्ष सर्किट में खेलने का अनुभव हो चुका है। इसलिए मैं अब कोशिश करूंगा कि चोटों से मुक्त रहूं और टूर्नामेंट में अच्छा खेलूं।'

मुंबई इंडियन्स अमीरात ने हरफनमौला खेल के दम पर शारजाह वॉरियर्स को हराया

अबु धाबी (एजेंसी)। मोहम्मद वसीम की 71 रन की आक्रामक पारी के साथ वेस्टइंडीज की निकोलस पूरन, कीरोन पोलार्ड और ड्वेन ब्रावो की तिकड़ी की तेज तर्रार बल्लेबाजी के दम पर मुंबई इंडियन्स अमीरात ने इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) में शनिवार को यहां शारजाह वॉरियर्स को 49 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपने अभियान का शानदार आगाज किया। मुंबई इंडियन्स अमीरात ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 204 रन का स्कोर खड़ा करने के बाद शारजाह वॉरियर्स को नौ विकेट पर 155रन पर रोक दिया। मुंबई इंडियन्स अमीरात के स्थानीय खिलाड़ी वसीम ने पारी का आगाज करते हुए 39 गेंद में पांच चौके और इतने ही छक्के जड़े।

पूरन ने 30 गेंद में चार छक्के और दो चौके की मदद से 49 जबकि कप्तान पोलार्ड ने 13 गेंद में नाबाद 22 और ब्रावो ने 10 गेंद में नाबाद 20 रन का योगदान दिया। ब्रावो और पोलार्ड

ने छठे विकेट के लिए 41 रन की अटूट साझेदारी की। शारजाह की टीम के लिए क्रिस वोक्स और जुनैद सिद्दीकी ने दो-दो जबकि मोहम्मद नबी ने एक विकेट लिए। नबी ने हालांकि चार ओवर में 50 रन खर्च किये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शारजाह की टीम को दूसरे ओवर में ही फजल हक फारुखी (27 रन पर दो विकेट) ने लगातार गेंदों पर एविन लुईस और डेविड मलान का विकेट चटकाया। दोनों खिलाड़ी बिना खाता खोले पवेलियन लौटे।

एकदिवसीय में रन बनाने के मामले में शुभमन शीर्ष पर पहुंचे

तिरूवनंतपुरम। (एजेंसी)। टीम इंडिया के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में शानदार शतक लगाया है। शुभमन ने 97 गेंद पर 116 रन बनाये। शुभमन पिछले एक साल में एकदिवसीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। 1 जनवरी 2022 से बात करें तो शुभमन के अलावा अन्य कोई भारतीय बल्लेबाज एकदिवसीय में अब तक 800 रन नहीं बना सका है। इस प्रकार शुभमन एकदिवसीय में रन बनाने के मामले में नंबर-1 पर बने हुए हैं।

शुभकन ने साल 2022 से अब तक 15 मैच की 15 पारियों में 70 की औसत से 845 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और पांच अर्धशतक हैं। इस प्रकार उन्होंने हर दूसरी पारी में 50 से अधिक रन बनाये हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी 107 का है। उन्होंने इस दौरान 99 चौके और 12 छक्के लगाये हैं। इस मैच से पहले तक उन्होंने 17 एकदिवसीय में 56 की औसत से 778 रन बनाए थे। जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल थे। उनके नाम लिस्ट-ए क्रिकेट में दोहरा शतक भी हैं।

वहीं एकदिवसीय में रन बनाने के मामले में श्रेयस अय्यर दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 20

मैच की 17 पारियों में 52 की औसत से 780 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं जबकि कप्तान रोहित शर्मा 11 पारियों में 43 की औसत से केवल 391 रन बना पाये हैं। इसमें 4 अर्धशतक हैं।

टूट गए क्रिकेट के भगवान के दो बड़े रिकॉर्ड, विराट ने वनडे के 46वें शतक के साथ हासिल की बड़ी उपलब्धियां

पिछले एक दशक के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक विराट कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में एक बार फिर अपनी क्लास का प्रदर्शन किया। उन्होंने 110 गेंदों में 13 चौके और 8 छक्कों की बदौलत नाबाद 166 रनों की शतकीय पारी खेली। इस दौरान कोहली ने भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के दो रिकॉर्ड तोड़ दिए। कोहली अब घरेलू मैदान में सबसे अधिक वनडे शतकों के मामले में सचिन से आगे निकल गए हैं। उनके नाम अब घरेलू मैदान पर 21 शतक हो गए हैं, जबकि सचिन के नाम घरेलू मैदान पर 20 शतक दर्ज हैं। कोहली ने घरेलू मैदान में अपने 21 शतक पूरे करने के लिए 104 मैच लिए हैं, जबकि सचिन ने 164 मैचों में घरेलू मैदान पर अपने 20 शतक पूरे किए थे। इसके साथ कोहली ने जो महान सचिन का दूसरा रिकॉर्ड तोड़ा है, वो किसी एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक शतकों का है। सचिन तेंदुलकर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वनडे फॉर्मेट में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक शतक बनाने का रिकॉर्ट भी रखते थे, लेकिन कोहली ने अब यह रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। सचिन के नाम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में 9 शतकों का रिकॉर्ड था, जो किसी एक टीम के खिलाफ किसी बल्लेबाज के सबसे अधिक शतक थे।

23 जनवरी को होगी राहुल और आथिया की शादी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल और बॉलीवुड अभिनेत्री आथिया शेट्टी लंबी रिलेशनशिप के बाद 23 जनवरी को शादी के बंधन में बंधेंगे। राहुल और आथिया के प्रशंसक पिछले काफी समय से इस खबर के इंतजार में थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल और आथिया की शादी की तैयारियां भी पूरी को गयी हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी हाल ही में कहा था कि राहुल निजी कारणों से न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में भाग नहीं लेंगे। इन दोनो की शादी में क्रिकेट और बॉलीवुड की कई हस्तियां रहेंगी। इसमें भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का भी नाम शामिल है। राहुल और आथिया ने शादी से पहले ही मुंबई में एक अपार्टमेंट तक किराए पर ले लिया है।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं जम्पा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर एडम जम्पा भारत दौरे के लिए टीम में जगह नहीं मिलने से निराश हैं और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर विचार कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले माह 4 टेस्ट और 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से इस स्पिनर ने 76 एकदिवसीय और 72 टी20 मैच खेले हैं। जम्पा को उम्मीद थी कि वो जिस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं इसे देखते हुए उन्हें टेस्ट में पदार्पण का अवसर मिल सकता है मगर ऐसा हुआ नहीं। इस क्रिकेटर ने कहा कि वह भारत दौरे पर टीम की ओर से खेलना चाहते थे क्योंकि उन्हें लगाता था कि वह टेस्ट में भी बेहतर कर सकते हैं। साथ ही कहा कि कुछ समय पहले उन्हें संदेश मिला था कि उनके लिए एक अच्छा अवसर आने वाला है। इसी कारण उन्हें उम्मीद थी कि भारत दौरे में जगह मिलेगी। भारत में स्पिनरों को सहायता मिलने से भी उन्हें अपने लिए मौका नजर आ रहा था। जम्पा ने आगे कहा कि करीब 6 सप्ताह पहले उन्हें संकेत मिले थे कि उनके लिए बहुत अच्छा मौका आने वाला है पर ऐसा हुआ नहीं जम्पा ने कहा कि अब जबकि उन्हें अवसर नहीं मिला है। इसलिए वह टेस्ट करियर में सुधार की जगह अन्य प्रारुपों पर ध्यान लगायेंगे।

अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप : भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराया

बेनोनी (एजेंसी)। शैफाली वर्मा 45 और श्वेता सहरावत के नाबाद 92 रनों की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप में जीत के साथ शुरुआत करते हुए मेजबान दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम को इस मैच में जीत के लिए 167 रन बनाने थे जो उसने 16.3 ओवरों में ही तीन विकेट पर बना लिए।

भारत की ओर से शैफाली ने आक्रामक पारी खेलते हुए 5 चौके और एक छक्का लगाकर 45 रन बनाये। शैफाली ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज नटबीसेंग निनी के एक ही ओवर में लगातार बाउंड्री लगाकर 26 रन बटोरे। पावरप्ले के अंतिम ओवर में शैफाली ने ये रन बनाये। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 166 रन बनाये। मेजबान टीम ने तेज शुरुआत की रेंसबर्ग का पहला विकेट गिरने के बाद लगातार विकेट गिरने पर भी मेजबान टीम ने तेजी से रन बनाने जारी रखे। टीम की ओर से सबसे ज्यादा 61 रन सिमोन लूरेंस ने बनाए। इस पारी में सिमोन ने 9 चौके और एक छक्का लगाया। मैडिसन लैंड्समैन ने 17 गेंदों में 31 रन बनाये। इस प्रकार मेजबान टीम निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 166 रन बनाने में सफल रही।

रेंसबर्ग ने 23 रन बनाये! वहीं कप्तान ओलुहले सियो खाता भी नहीं खोल पायीं। मैसो ने 19 तो स्मिट ने 16 रन बनाए

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की ओर से शैफाली वर्मा और अर्चना देवी के अलावा सोनिया ने अच्छी गेंदबाजी की पर शबनम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उसके पहले ही ओवर में 20 रन बने। शैफाली ने अपनी पहली ही ओवर में अफ्रीकी कप्तान ओलुहले को आउट कर दिया।

भारतीय टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज शैफाली और श्वेता सहरावत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। श्वेता ने 57 गेंदों में सबसे ज्यादा 92 रन बनाए। श्वेता ने अपनी इस पारी में 20 चौके लगाये। इस प्रकार भारत ने केवल 16.3 ओवरों में 167 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया।

आजाद भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता का जन्मदिन, गूगल ने ऐसे दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। गूगल ने आजाद भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता खाशाबा दादासाहेब जाधव को उनके 97वें जन्मदिवस पर रविवार को श्रद्धांजलि दी। गूगल ने अपने सर्च इंजन पर जाधव का डूडल लगाकर उन्हें याद किया। बैंटमवेट श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करने वाले जाधव ने 1952 में हेल्सिंकी ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। जाधव ने इससे पहले लंदन ओलंपिक 1948 में भी हिस्सा लिया था लेकिन मैट पर ज्यादा अनुभव न होने के कारण वह छठे स्थान पर रहे थे। जाधव ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते। ओलंपिक पदक जीतने के बाद उन्हें मुंबई पुलिस में नियुक्त कर लिया गया। एक चोट के कारण वह 1956 के मेलबर्न ओलंपिक में भाग नहीं ले सके। वह लगभग 30 वर्षों तक पुलिस में बने रहे और 1983 में महाराष्ट्र में सहायक पुलिस आयुक्त के रूप में सेवानिवृत्त हुए। जाधव को हालांकि पुलिस में अपनी सेवा के बावजूद सेवानिवृत्ति के बाद महाराष्ट्र के सतारा शहर में घर बनाने के लिए अपनी पत्नी के गहने बेचने पड़े। एक साल बाद 58 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। जाधव को 2001 में मरणोपरांत अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया और 2010 में भारत सरकार ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी खेल परिसर में कुश्ती स्टेडियम का नाम बदलकर 'केडी जाधव इंडोर हॉल' रख दिया।

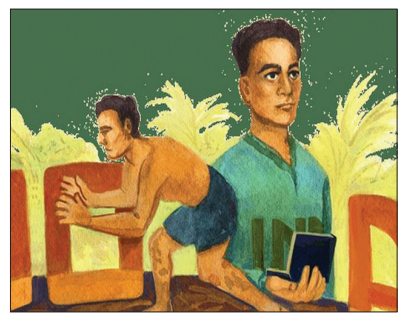

स्पेन ने वेल्स को 5-1 से हराकर विश्व कप में खाता खोला

राउरकेला (एजेंसी)। मार्क रेयना और मार्क मिरालेस के दो-दो गोल की मदद से स्पेन ने रविवार को यहां एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के पूल डी में वेल्स को 5-1 से हराकर पहली जीत दर्ज की। रेयना ने 16वें और 38वें मिनट में मैदानी गोल दागे जबकि मिरालेस ने 32वें और 56वें मिनट में गोल किए।

कप्तान अल्वारो इग्लेसियास (22वें मिनट) ने भी स्पेन की ओर से एक गोल किया। वेल्स की ओर से एकमात्र गोल 52वें मिनट में जेम्स कार्सन ने किया। स्पेन की टूर्नामेंट में यह पहली जीत है जबकि वेल्स को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

स्पेन को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में भारत के खिलाफ 0-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी थी जबकि वेल्स को इंग्लैंड ने 0-5 से हराया था। स्पेन की टीम पूल के अपने अंतिम मैच में 19 जनवरी को भुवनेश्वर में इंग्लैंड से भिड़ेगी जबकि वेल्स का सामना भारत से होगा।

ऋषभ इस साल शायद ही खेल पायें एक लिगामेंट की सर्जरी अभी बाकि

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के इस साल खेलने की संभावनाएं बेहद कम है। ऋषभ 30 दिसंबर को हुई कार दुर्घटना के बाद से ही अस्पताल में भर्ती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार हाल ही में उनके घुटने के दो लिगामैंट की सर्जरी हुई थी पर अभी भी एक लिगामेंट की सर्जरी बाकि है। तीसरी सर्जरी कम से कम 6 सप्ताह बाद होगी। घुटने के सभी तीन लिगामेंट- एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट पोस्टीरियर क्रूसिएट लिगामेंट और मेडियल कोलेटरल लिगामेंट पैरों की मूवमेंट और उन्हें स्थिरता देते हैं। हाल ही में की गई सर्जरी में पीसीएल और एमसीएल दोनों का पुनर्निर्माण किया गया था पर एसीएल के लिए उन्हें अभी एक और सर्जरी से गुजरना होगा।

ऐसे में ऋषभ को कम से कम छह महीने तक खेल के मैदान से दूर रहना होगा। इससे उनके अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले 2023 एकदिवसीय विश्व कप तक फिट होने की संभावनाओं पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और चयनकर्ता भी यह मानकर चल रहे हैं कि वह कम से कम छह महीने के लिए बाहर रहेंगे। इससे साफ है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए चार टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन एकदिवसयीय आईपीएल 2023 और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी से बाहर रहेंगेइन सभी में नहीं खेल पाएंगे। ऐसे में युवा केएस भरत और ईशान किशन में से किसी एक को अवसर मिला सकता है।

सूर्यकुमार यादव गेंदबाजों के लिए काफी परेशानी पैदा करते हैं : एंडी फ्लावर

अबू धाबी (एजेंसी)। आईएलटी20 के उद्घाटन संस्करण में गल्फ जाइंट्स फ्रेंचाइजी को कोचिंग दे रहे जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर एंडी फ्लावर का मानना है कि सूर्यकुमार यादव जैसे 360 खिलाड़ी गेंदबाजों के लिए काफी परेशानी खड़ी करते हैं और उन्हें लाइन और लैंथ में गेंदबाजी नहीं करने देते। यह 32 वर्षीय (सूर्यकुमार) भारतीय शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने हाल ही में राजकोट में श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला के दौरान अपना तीसरा टी20 शतक जड़ा।

फ्लावर ने कहा, 'सूर्यकुमार जैसे 360 डिग्री खिलाड़ी गेंदबाजों के लिए बहुत परेशानी पैदा कर रहे हैं। तेज गेंदबाज अपनी सर्वश्रेष्ठ लैंथ पर गेंदबाजी कर सकते हैं और बल्लेबाज कीपर या फाइन लेग पर स्कूप कर सकता है। हम अब तेज गेंदबाजों के खिलाफ शॉर्ट थर्ड मैन पर रिवर्स स्वीप भी देख रहे हैं। जो रूट यहां भी उस तरह का शॉट लगाने की कोशिश कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'इन कौशलों को देखना अच्छा लगता है। इन शॉट्स को खेलने के लिए साहस की जरूरत होती है। खेल अधिक विविधता और कौशल की अधिक रेंज की मांग कर रहा है और खिलाड़ी इसे हासिल करने के तरीके ढूंढ रहे हैं।'

हाल के दिनों में टी20 क्रिकेट में कम स्ट्राइक पर खेलने के लिए खेल के कई बड़े दिग्गजों की आलोचना की गई है। यह पूछने पर कि क्या टी20 क्रिकेट में इस तरह के शीट एंकर खिलाड़ियों के लिए जगह है? फ्लावर ने कहा कि अलग तरह के खिलाड़ियों की भूमिका होती है लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि एक कोच और कप्तान टीम को कैसे संतुलित कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'हम सभी निश्चित रूप से आक्रामकता पसंद करते हैं, लेकिन मुझे अभी भी लगता है कि विभिन्न प्रकार के खिलाड़ियों के लिए एक भूमिका है। यह चयनकर्ताओं, कोच और कप्तान पर निर्भर करता है कि वे इसे कैसे संतुलित करते हैं, लेकिन निश्चित रूप से शक्ति महत्वपूर्ण है, लेकिन क्रिकेट में तेजी से स्कोरिंग करने के अलग-अलग तरीके हैं। सूर्यकुमार ने हमें हाल ही में दिखाया है कि इसे कौशल और नवीनता के साथ कैसे किया जाता है। मुझे लगता है कि हर प्रकार के क्रिकेटर के लिए जगह है। एक कोच, कप्तान, चयनकर्ता के रूप में किसी को बस चीजों को संतुलित करना होता है।

गौर हो कि 54 साल के फ्लॉवर आईएलटी20 के अलावा आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स को भी कोचिंग दे रहे

हैं। उनके पास कोच के रूप में दुनिया भर की विभिन्न लीगों में असाइनमेंट भी हैं और वह इस चुनौती का आनंद ले रहे हैं।

रामायण कोई कहानी नहीं इतिहास है

रामायण एक आध्यात्म से जुड़ा इतिहास है इसमें भारतीय संस्कृति के अद्‌भुत गुण देखने को मिलते हैं और कहीं-कहीं आश्चर्यचकित कर देने वाली घटनाओं का वर्णन किया गया है।

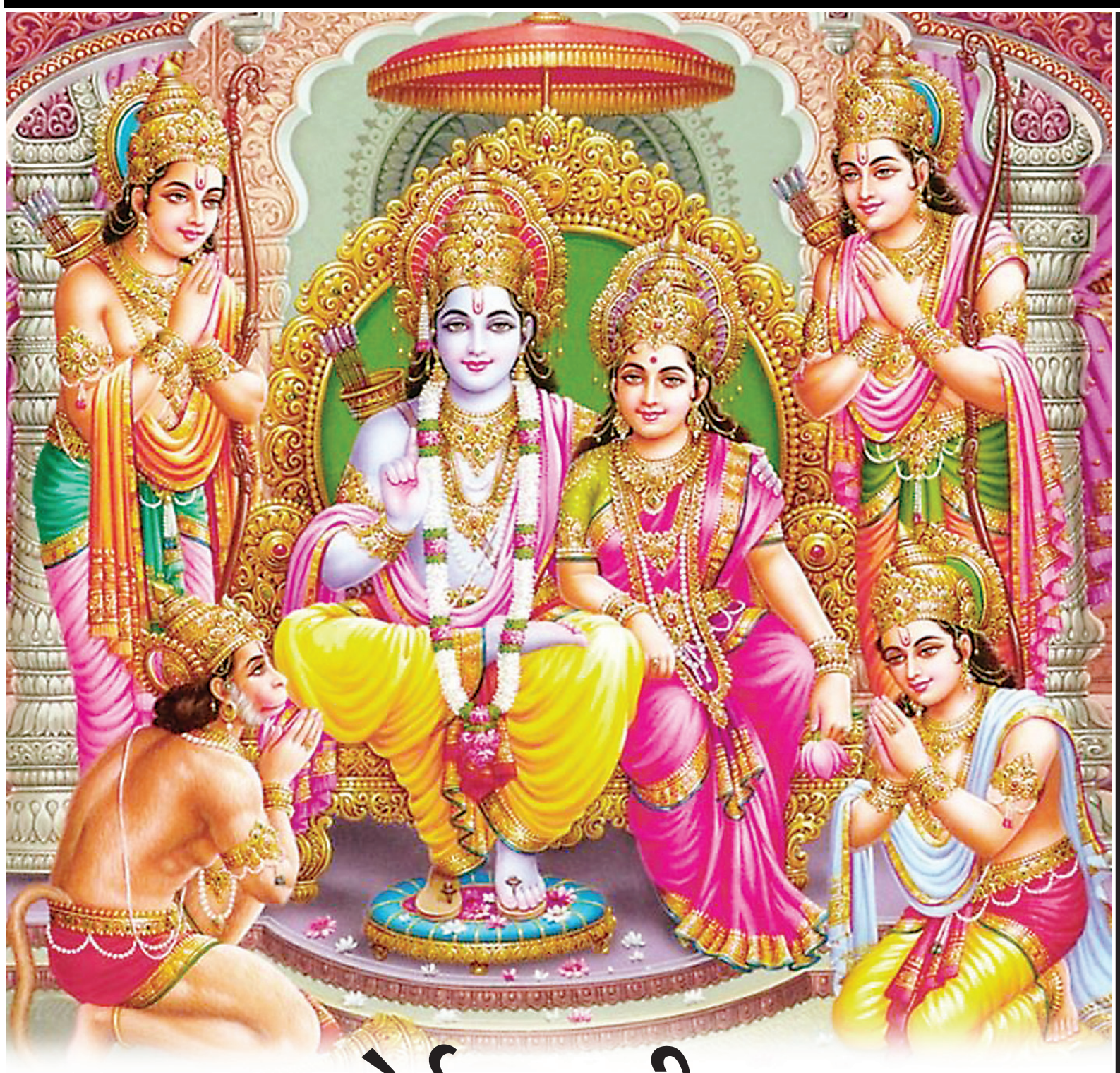

रामायण में वर्णित रावण द्वारा श्रीलंका जाते समय पुष्पक विमान का मार्ग, उस मार्ग में कौन सा वैज्ञानिक रहस्य छिपा है। रावण ने पंचवटी (नासिक, महाराष्ट्र) से सीता का अपहरण किया और हम्पी (कर्नाटक), लेपाक्षी (आंध्र प्रदेश) के माध्यम से श्रीलंका पहुंचा। आश्चर्य होता है जब हम आधुनिक तकनीक से देखते हैं कि नासिक, हम्पी, लेपाक्षी और श्रीलंका एक सीधी रेखा में हैं। यह पंचवटी से श्रीलंका तक का सबसे छोटा मार्ग है। अब आप सोचते हैं कि उस समय कोई ड्ड्धद्दद्यद्ग मैप नहीं था जो सबसे छोटा रास्ता बताता हो। फिर, उस समय यह कैसे पता चला कि सबसे छोटा और सीधा मार्ग कौन सा है? या भारत के विरोधियों की संतुष्टि के लिए भी, मान लें कि रामायण केवल एक महाकाव्य है, जिसे वाल्मीकि ने लिखा था, तो मुझे बताएं कि उस समय भी कोई मानचित्र नहीं था, वाल्मीकि, जिन्होंने रामायण लिखा था, कैसे आए थे? पता है कि पंचवटी से श्रीलंका शॉर्ट कट है? वाल्मीकि ने सीता हरण के लिए केवल उन्हीं स्थानों का उल्लेख किया है, जो पुष्पक विमान का सबसे छोटा और सबसे सीधा मार्ग था। यह ठीक उसी तरह है जैसे 500 साल पहले गोस्वामी तुलसीदास जी को पता था कि पृथ्वी से सूर्य की दूरी कितनी है? (जुग सहस्त्र योजन पर भानु= 152 मिलियन किमी - हनुमानचालीसा), जबकि नासा ने इस दूरी का पता कुछ साल पहले ही लगाया था।

पंचवटी वह स्थान है जहां श्री राम, सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान रहे थे। यहीं पर शूर्पणखा आई और लक्ष्मण से शादी करने के लिए उपद्रव करने लगी। लक्ष्मण को शूर्पनखा की नाक काटने के लिए मजबूर किया गया था, अर्थात हम आज इस स्थान को नासिक (महाराष्ट्र) के रूप में जानते हैं। पुष्पक विमान में, सीता ने नीचे देखा और देखा कि एक पहाड़ की चोटी पर बैठे कुछ बंदर जिज्ञासा से ऊपर की ओर देख रहे थे, सीता ने अपने वस्त्र के कोर को फाड़ दिया और अपने कंगन बांध दिए और राम को ढूंढने में मदद करने के लिए उन्हें नीचे फेंक दिया। जिस स्थान पर सीता ने इन आभूषणों को वानरों के लिए फेंका था, वह 'ऋष्यमुक पर्वत' था जो हम्पी (कर्नाटक) में वर्तमान में स्थित है। इसके बाद, वृद्ध जटायु ने रोते हुए सीता को देखा, देखा कि एक दानव एक महिला को जबरन अपने विमान में ले जा रहा था। सीता को मुक्त करने के लिए जटायु ने रावण से युद्ध किया। रावण ने जटायु के पंखों को तलवार से काट दिया। इसके बाद, जब राम और लक्ष्मण सीता को खोजने के लिए पहुंचे, तो उन्होंने पहला पता दिया कि उस स्थान का नाम 'लेपाक्षी' (आंध्र प्रदेश) है।

यह महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखित एक सच्चा इतिहास है। जिसके सभी वैज्ञानिक प्रमाण आज उपलब्ध हैं। इसीलिए जब भी कोई वामपंथी हमारे इतिहास, संस्कृति, साहित्य को पौराणिक कथा कहकर या खुद को विद्वान बताकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश करता है, तो उसे पकड़कर उससे इन सवालों के जवाब मांगे। यकीन मानिए आप एक भी जवाब नहीं दे पाएंगे। इस सब में आपकी जिम्मेदारी कहां है? आपके हिस्से की जिम्मेदारी यह है कि जब आप टीवी पर रामायण देखते हैं, तो यह मत सोचिए कि कहानी चल रही है, बल्कि यह भी ध्यान रखें कि यह हमारा इतिहास है। इस दृष्टि से रामायण को देखें और समझें। इसके अलावा, हमारे बच्चों को यह दृष्टि देना आवश्यक है, यह कहते हुए कि बच्चों के लिए यह एक कहानी नहीं है, यह हमारा इतिहास है।

बर्बादी का रास्ता क्रोध

रामचरितमानस मे भी है जिक्र

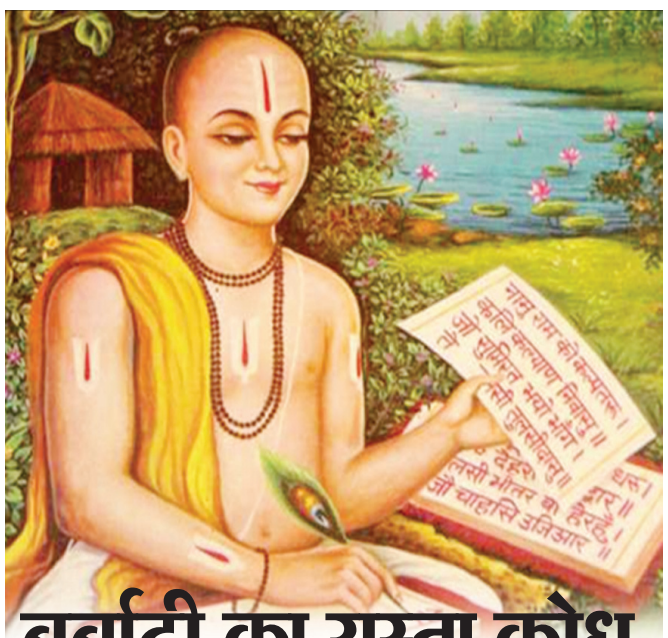

आजकल देखा जाता है कि किसी को कभी भी बहुत जल्दी क्रोध आ जाता है। जोकि सही नहीं हैं। क्रोध के दुष्प्रभाव जीवन पर काफी बुरा पड़ता हैं। इसकी वजह से जीवन तक बर्बाद हो सकता है। कई बार गुस्से के कारण बना बनाया काम खराब हो जाता है। व्यक्ति में क्रोध आ जाए तो उसे सबसे दूर कर देता है और इंसान बिलकुल अकेला रह जाता है। तो साथ ही बता दें कि सबसे बड़े हिंदू ग्रंथ में भी इस बात का जिक्र है कि कोध्र व्यक्ति के लिए अच्छा नहीं है, क्रोध व्यक्ति के विनाश का कारण बनता है। तो आइए आपको बताते है क्रोध को लेकर रामचरितमानस मे क्या कहा गया है-

क्रुद्ध: पापं न कुर्यात क: क्रृद्धो हन्यात गुरूनपि ।
क्रुद्ध: परुषया वाचा नर: साधूनधिक्षिपेत
क: क्रुद्ध: पापं न कुर्यात, क्रृद्ध: गुरून अपि हन्यात,
क्रुद्ध: नर: परुषया वाचा साधन अधिक्षिपेत ।

तुलसीदास जी ने कहा है कि जो व्यक्ति क्रोध करता है उस व्यक्ति पापकर्म अधिक करना पड़ता है। पुण्य वाले काम करने से वो काफी दूर रहता है। क्रोध में ही व्यक्ति बड़े छोटे का लिहाज नहीं करता और बड़े एवं पूज्य जनों तक को मार डालता है। साथ ही ऐसा व्यक्ति अशब्दों का अधिक उपयोग करता है और साधुजनों की भी कोई इज्जत नहीं करता। अगर व्यक्ति अपने क्रोध पर काबू नहीं पाता तो वो व्यक्ति अपने आपको बर्बाद कर देगा। क्रोध स्वास्थ्य पर भी काफी हद तक नुकसान पहुचता है। विज्ञान के अनुसार अधिक क्रोध करने से ब्लड प्रेशर काफी हद तक बढ़ जाता है। क्रोध से मनुष्य को मानसिक परेशानियां हो जाती है। क्रोध मनुष्य के जीवन को अस्त व्यस्त कर देता है। क्रोध के कारण रिश्तों में कड़वाहट आने लग जाती है। गुस्से में बोला गया हर एक शब्द सांप के जहर जैसा जहरीला होता है।

आर्थिक समस्या को दूर करने के लिए करें ये उपाय

घर में सुख सम्रद्धि धन के लिए वास्तु को बहुत खास माना जाता हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार वास्तु के उपायों को करने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा प्रवेश करती है जबकि नकारात्मकता ऊर्जा दूर हो जाती है। साथ ही ऐसा माना जाता है कि वास्तुदोषों के कारण जीवन में कई तरह की समस्याएं आने लगती हैं जिससे मनुष्य के बनते काम बिगड़ने लगते है। काम में रूकावट आने लगती है। तो आज हम आपको बताने जा रहे है। ऐसे उपाय जिससे आपके सभी कार्य आसानी से हो जाएंगे और जीवन से सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। साथ ही धन संबंधी समस्या से भी मुक्ति मिल जाएगी। मनी प्लांट-घर में वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट में रखने से अनेक फायदे होते हैं। घर में मनी प्लांट रखने से घर की सारी नकारात्मकता ऊर्जा शक्ति दूर हो जाती है और घर का वातावारण सकारात्मक माहौल बनने लगता है। मनी प्लांट को घर में लाने से रूपए पैसे की समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। लेकिन इसके साथ ही कुछ ऐसी बातें भी है जो ध्यान में रखना जरूरी है।

मनी प्लांट की दिशा- वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में मनी प्लांट लाने के बाद उसे दक्षिण या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इस दिशा में रखा मनी प्लांट घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कराता है। साथ ही मान्याताओं के अनुसार इस दिशा का कारक शुक्र ग्रह है और शुक्र ही बेल वाले पौधों का कारक भी कहा जाता है, इसलिए इस दिशा में मनी प्लांट लगाना बहुत शुभ माना जाता है।

पानी में रखें- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को पानी में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही इस बात का खास ध्यान रखें कि पौधे का पानी बदलते रहे,समय-समय पर।

बेल को जमीन पर न आने दें -वास्तुशास्त्र के घर में लगाए मनी प्लांट को जमीन पर न फैलने दें, इसकी बेल को ऊपर की ओर बढ़ने देना चाहिए। वो शुभ होता है।

खराब पत्ते- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को हमेशा हरे पत्तों के साथ हरा- भरा रहना शुभ माना जाता है। अगर इसके पत्ते खराब हो रहे हैं, तो उन्हें तुरंत हटा दें।

जनेऊ के जाने धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

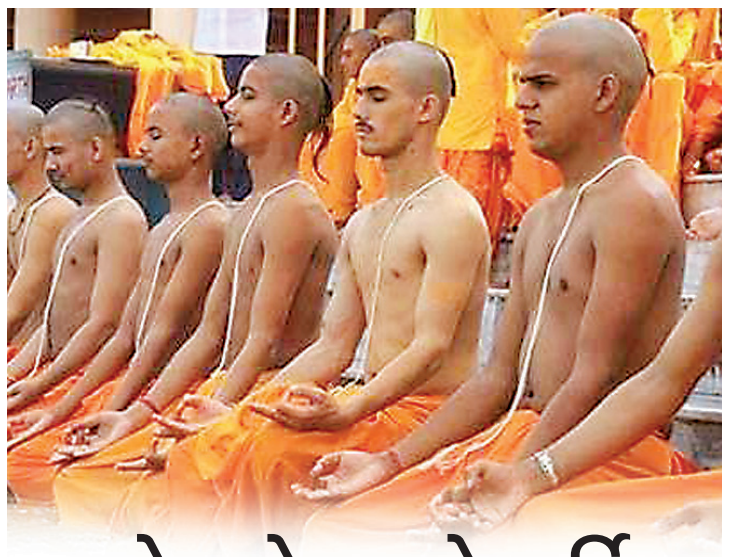

हिंदू धार्मिक शास्त्रों में जनेऊ को बहुत पवित्र माना जाता है। साथ ही यज्ञोपवीत संस्कार का बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। बता दें कि जनेऊ संस्कार हिन्दू धर्म के प्रमुख 24 संस्कारों में से एक है। यह जनेऊ 'उपनयन संस्कार' के अंतर्गत आता है। तो वहीं हिंदू धर्म के अनुसार ये हर हिन्दू का कर्तव्य है कि, वो जनेऊ धारण करें और उसके नियमों का पालन करें। जनेऊ धारण करने के बाद ही द्विज बालक को यज्ञ तथा स्वाध्याय करने का अधिकार प्राप्त होता है।

क्या होता है जनेऊ

जेसूऊ सूत से बना एक पवित्र धागा होता है। जिसे मनुष्य बाएं कंधे के ऊपर और दाईं भुजा के नीचे पहनता है। इस जनेऊ के कई वैज्ञानिक महत्व भी है। तो आइए आपको बताते है जनेऊ के वैज्ञानिक महत्व और फायदों के बारे में

स्मरण शक्ति बेहतर- हर रोज जनेऊ कान पर रखने से स्मरण शक्ति बेहतर होती है। कान पर जेनऊ इसलिए कहा जाता है क्योंकि कान दबाव पड़ने से दिमाग की वे नसें खुल जाती हैं, जिनका संबंध स्मरण शक्ति से होता है।

रक्तचाप नियंत्रण- शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने से जो नसें दबती हैं, उनसे रक्तचाप नियंत्रण में रहता है एक स्टेडी के मुताबिक ये बात सामने आई है कि शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने का भी वैज्ञानिक आधार है, जैसा बताया गया है कि ऐसा करने से रक्तचाप नियंत्रण में रहता है।

हृदय रोग और ब्लडप्रेशर की परेशानी दूर- इस स्टेडी में ये बात भी सामने आई है कि जनेऊ पहनने वाले लोगों को हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी परेशानी खत्म हो जाती है। जनेऊ से शरीर में खून का प्रवाह सही तरीके से होता रहता है। आध्यात्मिक ही नहीं इसका वैज्ञानिक आधार भी है, जैसे रिसर्च के अनुसार बताया गया है कि जनेऊ पहनने से हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी सारी परेशानी समाप्त हो जाती है।

काला धागे बांधने के हैं फायदे बहुत

अक्सर देखा जाता हैं की घर में बच्चा जब जन्म लेता हैं तब बड़े बुजुर्ग उससे काला टीका, काला धागा लगाते पहनाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है काला धागा बांधने से कई अद्‌भुत फायदे भी होते है। बता दें कि ज्योतिष विज्ञान एवं लाल किताब के अनुसार काला धागे को विशेष स्थान दिया गया हैं। इन दोनों में इसे बाधंने को लेकर भी बात कहीं गई है। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि काले धागे को बांधने से सारी नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और कई अन्य फायदें भी होते है। लेकिन इन सब में एक बात का खास ध्यान रखा जाना चाहिए कि काले धागे को शरीर में पहनने से पहले क्या-क्या सावधानी बरतें।

काला धागा बांधने के फायदे

काले धागें को बांधने से व्यक्ति को किसी की बुरी नजर नहीं लगती है। साथ ही ये काली शक्तियों से भी रक्षा करता हैं। शनिदेव का संबंध भी काले रंग से ही है। शनि को काले रंग का कारक माना जाता है। इसके अलावा काले रंग का धागा पहनने से व्यक्ति की कुडली का शनि मजबूत होता है और शनि प्रदोष से भी मुक्ति मिलती है।

आर्थिक लाभ

संकटमोचन हनुमान के दिन यानी मंगलवार को काला धागा धारण करना काफी शुभ माना जाता है। इस दिन काला धागा पहनने से आर्थिक जीवन सुखी होता है। घर में धन-समृद्धि का आगमन होता है। इस दिन खासकर दाहिने पैर में काला धागा बांधना शुभ माना जाता है।

सेहत के लिए फायदेमंद

सेहत के लिहाज से भी काला धागा काफी फायदेमंद है। अगर आपके पेट में दर्द रहता है तो व्यक्ति को अपने पैर के अंगूठे में इस धागे को बांध लेना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है उनके लिए भी काला धागा काफी फायदेमंद है। इसे व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।

काला धागा पहनने से पहले बरतें ये सावधानियां

काले धागे को अभिमंत्रित करने के बाद ही धारण करें।
धारण करने से पहले इस बारे में किसी योग्य ज्योतिष की सलाह ले।
इस धागें को बांधने वाले व्यक्ति को रुद्र गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए।
मंत्र - ऊँ तत्पुरुषाय विद्‌महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्र: प्रचोदयात
शरीर के जिस हिस्से में काला धागा बांध रहे हैं वहां कोई ओर अन्य रंग का धागा न धारण करें। शनिवार के दिन काला धागा बांधना शुभ होता है।

पाकिस्तानी के बलूचिस्तान में सिलेंडर फटने से 6 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण–पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गयी है। पाकिस्तान के एक समाचार चैनल 'एआरवाई' ने बताया कि बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए परिवार ने हीटर चालू करने की कोशिश की, तभी गैस के रिसाव के कारण विस्फोट हो गया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और पूरा घर क्षतिग्रस्त हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, शवों को अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं की जा सकी है। पाकिस्तान के डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी क्वेटा सहित बलूचिस्तान के अधिकांश हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है, वहीं कुछ इलाकों में पारा शून्य से 10 डिग्री से 15 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया है।

महिला ने काटा पति का पेनिस आंखों में चाकू घोंप कर दी हत्या

ब्यूनस आयर्स। एक महिला ने चाकू से अपने पति पर हमला किया और बेहद क्रूर तरीके से उसकी हत्या कर दी। पति का क्षत–विक्षत शव अर्जेंटीना में उनके अपार्टमेंट से बरामद किया गया है। फ्लोरेंसिया अमादा कट्टानियो नाम की महिला पर अपने पति पेड्रो ज़राटे का पेनिस काटने और आंखों में चाकू घोंपकर हत्या करने का आरोप है। महिला को एक अस्पताल के मनोरोग वार्ड में भर्ती कराया गया है और जांच की जा रही है कि क्या वह मनोरोगी है। ज़राटे का शव सबसे पहले कट्टानियों की बहन को मिला था। कट्टानियो की बहन ने सबसे पहले ज़राटे के शव को देखा था। वह लगातार उन्हें फोन कर रही थी लेकिन सामने से कोई जवाब नहीं मिल रहा था। बहन ने दावा किया कि रविवार को कट्टानियो खून से लथपथ हालत में अपनी मां के घर पहुंची थी। यह देखकर वह डर गई और आनन–फानन में उनके अपार्टमेंट की ओर भागी। मंगलवार को ज़राटे का शव बरामद हुआ। ज़राटे का फेसबुक बताता है कि वह एक एक्टर था और एक लोकल रेगे बैंड से जुड़ा हुआ था। दोनों का एक पांच साल का बच्चा है। फिलहाल महिला को मनोरोग मूल्यांकन के लिए भेज दिया गया है। ज़राटे का शव अल्टोस डी सैन लोरेंजो में कपल के फ्लैट में पाया गया है। लाश का प्राइवेट पार्ट कटा हुआ था और उसकी आंख में चाकू घुसा हुआ था। कट्टानियो की बहन ने स्थानीय मीडिया को बताया कि आरोपी महिला को 11 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। वह खून से लथपथ हालत में टैक्सी से अपनी मां के घर पहुंची थी। कट्टानियो की बहन ने जब लाश देखी तो उसके पूरे शरीर पर चाकू के घाव थे और वह खून से पूरी तरह सनी हुई थी। कट्टानियो को ला प्लाटा के एक मेडिकल सेंटर के मनोरोग वार्ड में भर्ती कराया गया है जहां उसका टेस्ट किया जाएगा। जांचकर्ताओं और प्रॉसेक्यूटर्स का कहना है कि अगर वह मानसिक रूप से बीमार पाई गई तो उसके खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। पड़ोसियों के हवाले से खबरों में बताया गया कि दोनों एक दशक से अधिक समय से साथ रह रहे थे और 2017 में उनकी शादी हुई थी।

अदालत ने पत्रकार को दो दिन के लिए एफआईए की हिरासत में भेजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा के व्यक्तिगत कर की जानकारी लीक करने के आरोप में गिरफ्तार वरिष्ठ पत्रकार को दो दिन की संघीय जांच एजेंसी की हिरासत में भेज दिया है। पत्रकार शाहीद असलम को संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने लाहौर से गिरफ्तार किया और उन्हें इस्लामाबाद की अदालत में पेश किया गया। अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद जिला एवं सत्र अदालत के न्यायिक मजिस्ट्रेट उमर शब्बीर ने असलम को दो दिनों के लिए एफआईए की हिरासत में भेज दिया। अदालत में असलम ने अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे पता चले कि उन्होंने कुछ भी गलत किया है। उन्होंने कहा कि वह एक पेशेवर पत्रकार के रूप में लंबे समय से संघीय राजस्व ब्यूरो (एफबीआर) को कवर कर रहे हैं। वेबसाइट ने एक लेख में पिछले साल नवंबर में तत्कालीन सेना प्रमुख और उनके परिवार पर गत छह वर्षों में 12.7 अरब रुपये की संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया था। बाजवा पिछले साल 29 नवंबर को सेना से रिटायर हो चुके हैं।

भारतीय मूल के छात्र को उन्नत जल शोधन में अनुसंधान के लिए फेलोशिप मिली

वाशिंगटन। भारतीय मूल के एक अमेरिकी पीएचडी छात्र को वैकल्पिक जल आपूर्ति के उन्नत शोधन के क्षेत्र में अत्याधुनिक एवं नवीन अनुसंधान के लिए 'अमेरिकन मेमब्रेन टेक्नोलॉजी एसोसिएशन' (एएमटीए) और 'यूएस ब्यूरो ऑफ रिक्लेमेशन' से एक फेलोशिप मिली है। एएमटीए ने एक बयान में कहा कि रासायनिक इंजीनियरिंग के पीएचडी छात्र और मिशिगन विश्वविद्यालय में ग्रैजुएट रिसर्च असिस्टेंट हर्ष पटेल 11,750 डॉलर की फेलोशिप पाने वाले चार व्यक्तियों में शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि मेमब्रेन प्रौद्योगिकी में नवाचार से अपशिष्ट जल और समुद्री जल के उन्नत शोधन के पर्यावरणीय असर, लागत और ऊर्जा को कम करने में मदद मिलेगी जिससे शुष्क इलाकों में स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती जल आपूर्ति हो सकेगी। पटेल ने कहा, ''मैं यह सम्मान पाकर बहुत खुश हूं क्योंकि मैं जानता हूं कि इस क्षेत्र में सफल कार्य का पानी की किल्लत जैसी वैश्विक समस्याओं पर सीधा असर पड़ेगा।'' पटेल ने 2021 में जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान से रासायनिक और जैवकीय इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री ली थी और वह अभी मिशिगन की कामचेव लैब से जुड़ेहैं जिसका मकसद जल शोधन और ऊर्जा उत्पादन के लिए अगली पीढ़ी की पॉलीमरिक सामग्री विकसित करना है।

इजराइली बलों के हमले में दो फलस्तीनियों की मौत

वेस्ट बैंक में शनिवार तड़के इजराइली बलों के हमले में दो फलस्तीनी मारे गए, जबकि करीब दो सप्ताह पहले एक इजराइली सैन्य हमले में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की मौत हो गई। फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि जाबा गांव में उसके जवानों के पास से गुजर रहे एक वाहन में सवार बंदूकधारियों ने उन पर हमला किया, जिसके बाद जवानों ने गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि जवानों ने बाद में वाहन से एम–16 राइफल भी बरामद की। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने मृतकों की पहचान एजेद्दीन हमामराह (24) और अमजद खलेलेयाह (23) के रूप में की है। मंत्रालय ने बताया कि दो जनवरी को हुए हमले में घायल समेरअल–जाबरी (19) की भी मौत हो गई। इजराइली सैन्य बलों ने दो फलस्तीनी बंदूकधारियों के घरों को ध्वस्त करने के लिए कफर दान गांव पर हमला किया था, जिसमें एक बंदूकधारी समेत दो फलस्तीनी मारे गए थे और अल जाबरी घायल हो गया था। इन दो फलस्तीनी बंदूकधारियों ने पिछले साल सितंबर में मुठभेड़ के दौरान एक इजराइली सैनिक को गोली मारी थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इजराइल के एक मानवाधिकार समूह ने कहा कि 2022 में वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में इजराइल की गोलीबारी में लगभग 150 फलस्तीनी मारे गए, जो 2004 के बाद से फलस्तीनी मृतकों की सर्वाधिक संख्या है।

बलात्कार का आरोप लगाने वाली पत्रकार का ट्रंप ने किया अपमान

वाशिंगटन। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली महिला पत्रकार के मुकदमे पर ट्रंप ने सवाल उठाया है। स्तंभकार ई. जीन कैरोल द्वारा दायर मुकदमे में एक अदालत द्वारा शुक्रवार को जारी ट्रंप की गवाही के अंशों में महिला पत्रकार के खिलाफ अपमानजनक शब्द और मुकदमा करने की धमकी शामिल है। जीन कैरोल द्वारा दायर मुकदमे में अक्टूबर में दर्ज ट्रंप के बयान के अंश सार्वजनिक रूप से जारी किए गए हैं क्योंकि एक संघीय न्यायाधीश ने इसे सीलबंद रखने के ट्रंप के वकीलों के अनुरोध को खारिज कर दिया था। ट्रंप के बयान के अनुसार, ''महिला ने कहा कि मैंने उसके साथ कुछ ऐसा किया जो कभी नहीं हुआ। ऐसा कुछ नहीं हुआ था। मैं इस महिला के बारे में कुछ नहीं जानता।''

वेटिकन में पोप फ्रांसिस कार्डनल जॉर्ज पैल की अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

यूरोप में स्वीडन में पाया गया अर्थ मेटल का सबसे बड़ा भंडार खत्म होगी चीन की दावेदारी

स्टॉकहोम। यूरोप में दुर्लभ अर्थ मेटल का सबसे भंडार स्वीडन में पाया गया है। यहां पाई जाने वाली धातुओं से टर्बाइन से लेकर स्मार्टफोन तक सब कुछ बनाया जा सकता है। अगर इस भंडार को प्राकृतिक खजाना कहा जाए तो गलत नहीं होगा। भंडार करीब 10 लाख टन से अधिक का है। इसकी खोज सरकारी खनन कंपनी एलकेएबी ने स्टॉकहोम से उत्तर में करीब 1000 किमी दूर की है। ये धातुएं चीन से यूरोप के निर्यात को कम करने में बेहद अहम भूमिका निभा सकती हैं। यूरोपीय संघ इस्तेमाल की जाने वाले दुर्लभ अर्थ मेटल का करीब 98 फीसदी चीन से आयात करता है। यूरोपियम सेरियम नियोडिमियम प्रेसियोडीमियम और डिस्प्रोसियम जैसे रेयर अर्थ मेटल के कई तरह के उपयोग हैं। इनमें से कुछ औद्योगिक इस्तेमाल के लिए मैग्नेट बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। जबकि अन्य का उपयोग ऑप्टिकल लेंस और ग्लास पॉलिशिंग के लिए क्या जाता है। स्वीडन में पाया गया अधिकांश भंडार लौह अयस्क हैं। स्वीडन यूरोपीय संघ में लौह अयस्क के उत्पादन का करीब 90 फीसदी हिस्सा है। यह खोज बहुत बड़ी है लेकिन साइट पर खनन शुरू होने में कम से कम 10 साल लगेंगे। रेयर अर्थ मेटल को निकालना न सिर्फ बेहद मुश्किल है बल्कि पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। इसलिए इसकी मंजूरी मिलना एक लंबी प्रक्रिया है। ऑब्जर्वर्स को उम्मीद है कि 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ने के साथ–साथ रेयर अर्थ मेटल की मांग पांच गुना बढ़ जाएगी।

अमेरिकी सांसद ने की आव्रजन में सुधार की पैरवी कहा भारतीय सबसे बेहतर नागरिक छह फीसदी चुकाते हैं कर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। एक रिपब्लिकन सांसद ने आव्रजन में सुधारों की पैरवी करते हुए भारतीय प्रवासियों के योगदान का हवाला दिया और कहा कि वे अमेरिका में 6 प्रतिशत कर का भुगतान करते हैं। रिच मैककॉर्मिक ने कहा भारतीय अमेरिका में हमारे कुछ बेहतरीन नागरिकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने एशियाई भारतीयों के बारे में कहा वे लगभग 6 प्रतिशत करों का भुगतान करते हैं और शीर्ष उत्पादकों में से हैं जिनकी संख्या 4.5 मिलियन है जो 333 मिलियन की कुल अमेरिकी आबादी का 1.4 प्रतिशत है।

पिछले साल अमेरिका ने आयकर में 4.9 ट्रिलियन डॉलर का संग्रह किया और इसका 6 प्रतिशत 294 अरब डॉलर होगा। 119000 डॉलर की औसत घरेलू आय के साथ जातीय समूहों में एशियाई भारतीयों की आय सबसे अधिक है। भारतीयों के पास उच्चतम शिक्षा है। उनमें से 43 प्रतिशत स्नातकोत्तर शिक्षा हासिल कर चुके हैं। उन्होंने कहा एशियाई भारतीय जिनकी जॉर्जिया राज्य के अटलांटा क्षेत्र में संख्या 137000 है समस्याएं पैदा नहीं करते हैं और कानूनों का पालन करते हैं।

आपातकालीन चिकित्सा में विशेषज्ञता वाले डॉक्टर मैककॉर्मिक ने कहा कि जब वे

आपातकालीन कक्ष में ओवरडोज के लिए आते हैं तो उन्हें अन्य लोगों की समस्या नहीं होती है क्योंकि ये सबसे अधिक उत्पादक और परिवार-केंद्रित होते हैं। मैककॉर्मिक एक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अटलांटा के उपनगरों को शामिल करके बना है। एक ऐसा क्षेत्र जिसने हाल के वर्षों में एशियाई भारतीयों की आमद देखी है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के विकास से प्रेरित है।

भारतीयों के लिए स्थाई निवासी की स्थिति की लंबी प्रतीक्षा के साथ उनके लिए अधिक ग्रीन कार्ड उपलब्ध कराने का कानून पिछले कांग्रेस सत्र में समाप्त हो गया। कानून जिसमें दोनों पक्षों के सदस्यों और राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन का समर्थन था कुछ अपवादों के साथ प्रत्येक देश के लिए 20000 ग्रीन कार्ड की सीमा को समाप्त कर दिया गया। मौजूदा सत्र में इस मामले के फिर से उठाए जाने की उम्मीद है। परिवार के सदस्यों सहित कुल 700000 के लिए 369000 भारतीय अपने रोजगार के आधार पर ग्रीन कार्ड की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विदेश विभाग के अनुसार अक्टूबर 2011 तक अधिकांश भारतीयों के लिए किए गए रोजगार पर आधारित ग्रीन कार्ड आवेदनों को ही मंजूरी दी गई है।

केटो इंस्टीट्यूट ने चेतावनी दी कि भारतीयों के लिए प्रतीक्षा 90 साल तक बढ़ सकती है क्योंकि अधिक भारतीय विशेष रूप से अस्थायी कार्य वीजा पर पाइपलाइन में शामिल होते हैं। मैककॉर्मिक एक पूर्व समुद्री हेलीकॉप्टर पायलट और एक नौसेना कमांडर हैं जिन्होंने अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों के साथ डॉक्टर के रूप में काम किया था। उन्होंने 2022 के चुनाव में खुद को बाहरी बताया था और डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रतिद्वंद्वी बॉब क्रिश्चियन को हराने के लिए 62.2 प्रतिशत वोट हासिल किए। इससे पहले निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार का चयन करने के लिए रिपब्लिकन पार्टी के प्राथमिक चुनाव में उन्होंने जेक इवांस को हराया था जिसे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त था।

इजरायल में नेतन्याहू के विरोध में उतरे 80 हजार लोग

–सुप्रीम कोर्ट को कमजोर करने की कोशिशों का विरोध; पुतिन से कर रहे तुलना

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल में हजारों लोग पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ सड़कों पर उतर गए हैं। वे सरकार की सुप्रीम कोर्ट को कमजोर करने की कोशिशों का विरोध कर रहे हैं। दरअसल इजरायल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर एक प्रस्ताव जारी किया है। इस प्रस्ताव के पास होने पर इजरायल की संसद को सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का पलटने का अधिकार मिल जाएगा। संसद में जिसके पास भी बहुमत होगा वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट सकेगा।

लोगों का मानना है कि इससे देश का लोकतंत्र और सुप्रीम कोर्ट कमजोर होगा। भ्रष्टाचार बढ़ेगा और अल्पसंख्यकों के अधिकारों में कमी आएगी इसलिए वे इकट्ठे होकर अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। वे पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की तुलना रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से कर रहे हैं। इजरायल के सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एस्थर हयात मुख्य विपक्षी नेता और अर्टानी जनरल ने भी सरकार की इस योजना का विरोध किया है।

80 हजार लोग सड़कों पर उतरे

कल रात को भारी बारिश के बावजूद तेल अवीव के हबीमा क्वायर 80 हजार से ज्यादा लोगों ने सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किए। यरूशलेम में पीएम आवास के बाहर और हाफिया में भी लोग सड़कों पर उतरे। लोगों ने सरकार के खिलाफ 'क्रिमिनल गवर्नमेंट' और 'दी एंड ऑफ डेमोक्रेसी' जैसे नारे लगाए। तेल अवीव में एक जगह प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने पुलिस से सड़क रोकने और फिलिस्तीनी झंडे लहराने वाले प्रदर्शनकारियों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा है।

10 देशों में समलैंगिक संबंध है अपराध

–इन देशों में मिलती है सजा–ए–मौत

लंदन (एजेंसी)। भारत में समलैंगिक विवाह को लेकर सुनवाई चल रही है जिसमें हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय लिया है कि समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ही सुनवाई करेगा। एलजीबीटी समुदाय का मोटो है- हर तरह का प्यार प्यार ही होता है। इस बात को दुनिया के कुछ देश तो समझते हैं इसलिए उन्होंने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान लिया है पर कुछ देश ऐसे भी हैं जो इस बात को नहीं समझते और आज भी वहां समलैंगिक विवाह गैरकानूनी है। ऐसे में आज हम आपको उन 10 देशों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां समलैंगिक संबंध या विवाह अपराध की श्रेणी में है और ऐसा करने वालों को सीधे मौत की सजा दी जाती है।इस लिस्ट में सबसे पहला नाम है सऊदी अरब का। यहां आतंकवाद हो या समलैंगिक संबंध दोनों को कानून में एक प्रकार का यानी कैपिटल क्राइम ही माना जाता है। समलैंगिक विवाह तो यहां दूर की बात है संबंध बनाने वाले दोषियों को पहली बार पकड़े जाने पर कोड़ों से मारा जाता है और दूसरी बार वालों को मौत की सजा दे दी जाती है।अफगानिस्तान भी समलैंगिक संबंध के मामले में पूरी तरह से कट्टर रुख अपनाता है।

इस्लाम ले शरिया कानून से चलने वाले देश में समलैंगिक पुरुष या औरतें खौफ में जीती हैं। यहां तो इसे बीमारी की तरह माना जाता है। इस मामले में ऑनर किलिंग होना आम बात है। अक्सर परिवार के लोग ही अपने घर के किसी ऐसे सदस्य की जान ले लेते हैं। कानूनी तौर पर भी समलैंगिक लोगों को मौत की सजा दी जाती है। यमन के कानून के अनुसार अविवाहित गे मर्दों को पकड़े जाने पर सजा के तौर पर 100 कोड़े मारे जाते हैं या फिर 1 साल के लिए जेल भेज दिया जाता है वहीं विवाहित गे मर्दों को पत्थर से मारकर मौत की सजा सुनाई जाती है। जबकि महिलाओं को 3 साल तक की जेल की सजा दी जाती है। इरान में साल 1979 में जब इस्लामिक क्रांति हुई तब यहां समलैंगिकता को कानूनी तौर पर अपराध माना गया और मौत की सजा का प्रवाधान रख दिया गया। बूनेई में भी मर्दों के बीच समलैंगिक संबंधों को जुर्म मानकर मौत की सजा का नियम कुछ ही साल पहले बनाया गया है। गुनहगारों को पत्थरों से मारा जाता है जबतक उनकी मौत ना हो जाए। हाल ही में कतर फीफा वर्ल्ड कप को होस्ट कर सुर्खियों में आ गया था। यहां भी समलैंगिक संबंध को अवैध माना जाता है और 7 साल तक की सजा का प्रवाधान है। देश के मुसलमानों को मौत की सजा भी हो सकती है।

बाइडन के आवास पर और गोपनीय दस्तावेज मिले: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो. बाइडन के डेलवेयर आवास से गोपनीय दस्तावेज के पांच अतिरिक्त पन्ने मिले हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि इसके साथ ही अभी तक बाइडन के आवास से करीब 24 गोपनीय दस्तावेज बरामद हो चुके हैं। ये दस्तावेज ऐसे समय मिले हैं जब कुछ घंटे पहले व्हाइट हाउस अधिवक्ता कार्यालय ने एक बयान जारी करके बाइडन के आवास से एक गोपनीय दस्तावेज बरामद होने की जानकारी दी थी और अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने पूर्व अमेरिकी अटॉर्नी रॉबर्ट हुर को मामले की जांच करने के लिए विशेष अधिवक्ता नियुक्त किया था। इसके साथ ही बाइडन के डेलावेयर आवास और वाशिंगटन डीसी स्थित उनके निजी कार्यालय से बरामद दस्तावेजों की कुल संख्या तकरीबन 24 हो गयी

है।

बहरहाल, इन दस्तावेजों की विस्तृत जानकारियां अभी पता नहीं है लेकिन ये उस दौर के हैं जब बाइडन 2009 से 2016 तक बराक ओबामा प्रशासन में उपराष्ट्रपति थे। आमतौर पर अपना सप्ताहांत डेलावेयर के विलमिंगटन आवास पर बिताने वाले बाइडन शुक्रवार शाम को वहां पहुंचे थे। व्हाइट हाउस के विशेष अधिवक्ता रिचर्ड सॉबर ने शनिवार को एक बयान में कहा कि बुधवार रात को बाइडन के गैराज से सटे एक कमरे में एक गोपनीय दस्तावेज बरामद हुआ था। सॉबर ने कहा कि बाइडन के निजी वकीलों ने सुरक्षा अनुमति न होने के कारण बुधवार शाम को एक पन्ना मिलने के बाद आगे की तलाशी रुकवा दी थी। सॉबर को शेष सामग्री बृहस्पतिवार को मिली, जब वह न्याय विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि उनके साथ मौजूद विभाग के अधिकारियों ने दस्तावेजों को 'फौरन' जब्त कर लिया। गौरतलब है कि व्हाइट हाउस दस्तावेजों के संबंध में जनता के समक्ष पारदर्शिता की कमी को लेकर आलोचना का सामना कर रहा है। व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार को कहा था कि बाइडन गोपनीय दस्तावेज और सूचना को ''बहुत गंभीरता'' से लेते हैं और उन्हें यह नहीं मालूम कि उनके निजी आवास और निजी कार्यालय से मिले गोपनीय दस्तावेजों में क्या है। इस बीच, रिपब्लिकन पार्टी ने व्हाइट हाउस से बाइडन के घरों की आगंतुक पुस्तिका जारी करने को कहा है लेकिन व्हाइट हाउस ने इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया कि क्या ऐसी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी।

अमेरिका /जापान ने कहा कि क्वाड दूसरों की भलाई के लिए एक ताकत बनी हुई है

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और जापान ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य दबदबे के बीच शुक्रवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर वे यह सुनिश्चित करेंगे कि क्वाड दूसरों की भलाई के लिए काम करने की एक ताकत बना रहे। व्हाइट हाउस में शुक्रवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो. बाइडन और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के बीच बैठक के बाद दोनों देशों ने एक संयुक्त बयान में यह बात कही। बयान में कहा गया, ''हमारी नींव के रूप में अटूट द्विपक्षीय संबंध के साथ हम हिंद-प्रशांत तथा दुनिया के फायदे के लिए क्षेत्र में तथा उसके बाहर अन्य पक्षों के साथ भी साझेदारी करेंगे।'' इसमें कहा गया, ''ऑस्ट्रेलिया और भारत के साथ मिलकर हम यह सुनिश्चित करेंगे कि क्वाड दूसरों की भलाई के लिए काम करने की ताकत, वैश्विक स्वास्थ्य, साइबर सुरक्षा, जलवायु, अहम और उभरती प्रौद्योगिकियों तथा समुद्री क्षेत्र की जागरूकता पर परिणाम देने समेत क्षेत्र के लिए ठोस लाभ लाने के लिए प्रतिबद्ध बना रहे।'' हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य दबदबे के बीच बनाए गए चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (क्वाड) में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। चीन विवादित दक्षिण चीन सागर के लगभग सभी हिस्सों पर अपना दावा जताता है। ताइवान, फिलीपीन, ब्रूनेई, मलेशिया और वियतनाम भी इसके हिस्सों पर अपना दावा जताते हैं। बीजिंग ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप और सैन्य प्रतिष्ठान बनाए हैं।

क्या नेपाल प्लेन क्रैश का जिम्मेदार है चीन? खराब निकला चाइनीज कंस्ट्रक्शन, निगल गया 72 यात्रियों की जान

बीजिंग (एजेंसी)। काठमांडू। चीन की चीजों पर कभी आंख मूद कर भरोसा करना सबसे बड़ी मुर्खता साबित हो सकती हैं। इस बात को चाइनीज प्रोडक्ट कई बार साबित कर चुके हैं। चीन अपनी दावों की तरह ही कच्चे काम भी करता हैं। नेपाल के हाल ही में बने पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई पर रविवार एक भयानक हादसा हुआ और एक प्लेन क्रैश हो गया। इस एयपोर्ट का कंस्ट्रक्शन चीन ने हाल ही मं करवाया था। खबरों के मुताबिक पाल में पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन दो सप्ताह पहले देश के नवनियुक्त प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड द्वारा किया गया था और इसका निर्माण चीन की सहायता से किया गया था। इसी हवाई अड्डे पर एक विमान रविवार को उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 72 व्यक्ति सवार थे।

अन्नपूर्णा पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि में निर्मित, हवाई अड्डे का आधिकारिक उद्घाटन एक जनवरी, 2023 को किया गया था। यह महत्वपूर्ण परियोजना चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) सहयोग का हिस्सा थी। समाचार पत्र 'काठमांडू पोस्ट' के मुताबिक, नेपाल सरकार ने हवाई अड्डे के निर्माण के लिए मार्च 2016 में चीन के साथ कम ब्याज दर पर 21.59 करोड़ डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। पिछले साल, चीन के पूर्व विदेश मंत्री वांग यी ने पोखरा क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को बालुवाटार में आयोजित एक शिष्टाचार भेंट के दौरान सौंपा था।

एक बचाव अधिकारी ने बताया कि पोखरा में रविवार को हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान पांच भारतीयों समेत 72 लोगों को लेकर जा रहा एक नेपाली यात्री विमान रविवार को नदी घाटी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कम से कम 68 लोगों की मौत हो गई। नेपाल के नागर विमानन प्राधिकरण (सीएएएन) के अनुसार, यति एयरलाइंस के 9एन-एएनसी एटीआर-72 विमान ने काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पूर्वाह्न 10ः33 बजे उड़ान भरी। पोखरा हवाई अड्डे पर उतरते वक्त विमान पुराने हवाई अड्डे और नए हवाई अड्डे के बीच सेती नदी के तट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुप्रीम कोर्ट ने समय पूर्व रिहाई की याचिका से निपटने में अत्यधिक देरी पर नाखुशी जताई

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने हत्या के एक दोषी की समय पूर्व रिहाई की याचिका का निपटारा करने में अधिकारियों द्वारा ''अत्यधिक देरी'' किए जाने पर नाराजगी जताते हुए उत्तर प्रदेश के कारागार महानिदेशक और अन्य को आगाह किया कि अगर ऐसे अन्य मामले संज्ञान में आए तो ''दंडात्मक कार्रवाई'' की जा सकती है। न्यायालय ने कहा कि समय पूर्व रिहाई का आवेदन सितंबर 2019 से लंबित है और केंद्रीय कारागार, फतेहगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा इस साल पांच जनवरी को जारी किए गए हिरासत प्रमाणपत्र के अनुसार, दोषी बिना किसी छूट के कुल 15 साल और 14 दिन की सजा काट चुका है। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिंह की पीठ ने 13 जनवरी को पारित अपने आदेश में कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित कानून के मद्देनजर ऐसे आवेदनों पर नीति के आधार पर विचार करने की आवश्यकता है। पीठ ने कारागार महानिदेशक को यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए कि समय पूर्व रिहाई के लिए आवेदन पर विधिवत विचार किया जाए और उसके आदेश की तारीख से एक महीने के भीतर इसका निपटारा किया जाए।

मकर संक्रांति पर गंगासागर पहुंच लाखों श्रद्धालुओं ने गंगासागर में स्नान किया हृदय गति रुकने से 2 की मौत

गंगासागर। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के सागर आइलैंड स्थित गंगासागर में शनिवार को मकर संक्रांति के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान दो लोगों की हृदय गति रुकने से मौत हो गई जिनकी उम्र 70 साल के आसपास थी। एक अन्य व्यक्ति की शुक्रवार को मौत हुई थी। मेला का प्रभार संभाल रहे पश्चिम बंगाल के ऊर्जा एवं खेल मंत्री अरुप बिश्वास ने बताया पांच जनवरी से लेकर 14 जनवरी को मंकर संक्रांति तक करीब 40 लाख श्रद्धालु गंगासागर मेला में आ चुके हैं जिनमें से अधिकतर अपने-अपने घरों को लौट चुके हैं। अरुप बिश्वास ने बताया कि शनिवार को शाम छह बजकर 53 मिनट पर मकर संक्रांति का स्नान शुरू हुआ और सर्दी के बावजूद लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई और कपिल मुनि आश्रम में दर्शन किए। बिश्वास के मुताबिक स्नान 24 घंटे तक चलेगा और कई श्रद्धालुओं के रविवार को स्नान करने की संभावना है। उन्होंने बताया कि दो श्रद्धालुओं की शनिवार को मौत हो गई जिनकी पहचान ओडिशा के रहने वाले 72 वर्षीय प्रताप चंद्र गिरि और बिहार निवासी 73 वर्षीय बियोला देवी के तौर पर की गई है। मंत्री ने बताया कि अब तक 3500 श्रद्धालुओं ने 'ई-स्नान' सेवा का लाभ लिया है जिसके तहत ऑनलाइन ऑर्डर करने पर व्यक्ति के घर पर गंगासागर का पवित्र जल पहुंचाया जाता है। उन्होंने बताया कि गंगासागर मेला के दौरान ई-दर्शन के माध्यम से अब तक करीब 60 लाख लोगों ने कपिल मुनी मंदिर में दर्शन किए हैं। बिश्वास ने बताया कि अमेरिका ऑस्ट्रेलिया ब्रिटेन स्पेन रूस यूक्रेन न्यूजीलैंड ब्राजील और देश के अलग-अलग हिस्सों के श्रद्धालुओं ने सागर प्रवचन कार्यक्रम में हिस्सा लिया है जिसमें अध्यात्म और शांति का संदेश दिया जाता है।

एनटीसीए ने चंद्रपुर वन से कुछ बाघ नागझिरा अभयारण्य स्थानांतरित करने को दी मंजूरी

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में मानव-पशु संघर्ष के मामलों में वृद्धि के बीच, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने कुछ बाघों को चंद्रपुर के जंगल से पास के नवेगांव-नागझिरा बाघ अभयारण्य में स्थानांतरित करने की मंजूरी दे दी है। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। अधिकारी के अनुसार पिछले साल जिले में मानव-पशु संघर्ष में 53 व्यक्तियों की मौत हो गई थी। अधिकारी के अनुसार इसमें से 20 से अधिक व्यक्तियों की मौत अकेले ब्रह्मपुरी वन मंडल से हुई हैं। चंद्रपुर क्षेत्र के मुख्य वन संरक्षक, प्रकाश लोनकर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जिले में मानव-पशु संघर्ष को रोकने और कार्य योजना बनाने के लिए हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक की गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद उनके कार्यालय ने बाघों को स्थानांतरित करने एवं उनका पुनर्वास सहित अन्य उपायों के लिए नागपुर के प्रधान मुख्य वन संरक्षक को एक प्रस्ताव भेजा। उन्होंने कहा कि एनटीसीए ने हाल ही में चंद्रपुर के ब्रम्हपुरी मंडल से कुछ बाघों को पड़ोसी जिले भंडारा और गोंदिया में फैले नवेगांव-नागझिरा बाघ अभयारण्य (एनएनटीआर) में स्थानांतरित करने को अपनी मंजूरी दे दी। अधिकारी ने बताया कि इस मंडल से चार-पांच बाघों को एनएनटीआर में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लोनकर ने बताया, ''हमने मंडल से स्थानांतरित करने के लिए नर और मादा बाघों की पहचान की है। इन बाघों को पकड़ने की गति अभी थोड़ी धीमी है क्योंकि पशु चिकित्सक आपातकालीन कार्य में व्यस्त हैं।

जम्मू-कश्मीर हिमाचल व उत्तराखंड में जमकर बर्फबारी

-दिल्ली समेत उत्तर भारत के तापमान में गिरावट से बढ़ेगी ठंड

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर हिमाचल व उत्तराखंड के कई इलाकों में शनिवार को जमकर बर्फबारी हुई। इससे मैदानी क्षेत्रों में ठंड बढ़ने के आसार बताए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर अनंतनाग बांदीपोरा में भारी बर्फबारी हुई है। बांदीपोरा में बर्फीला तूफान भी आया है। इसके अलावा उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में भी बर्फबारी हुई है। इसमें किसी के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। माना जा रहा है कि बर्फबारी से दिल्ली समेत उत्तर भारत के तापमान में गिरावट आ सकती है। दिल्ली में मौसम विभाग ने दो से तीन डिग्री तामपान में गिरावट की संभावना जताई है। दिल्ली-एनसीआर में आने वाले दिनों में ठंड बढ़ सकती है। मौसम विभाग ने बताया राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार दिल्ली में दिन के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। आईएमडी ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे हवा में नमी का स्तर 88 प्रतिशत दर्ज किया गया। आईएमडी ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में 16 जनवरी और 18 जनवरी के बीच शीतलहर चलेगी। आयानगर और रिज इलाके में मंगलवार और बुधवार को न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस तक बना रह सकता है। मौसम विभाग ने कहा कि अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार दिन में शहर में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। 15 जनवरी से दिल्ली और इसके पड़ोसी राज्यों के अलग-अलग हिस्सों में फिर से शीतलहर की स्थिति बनने की संभावना है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में राजग ही जीतेगा 2024 का लोकसभा चुनाव : धर्मेंद्र प्रधान

कोलकाता। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करेगा और फिलहाल देश में प्रधानमंत्री पद के लिए कोई रिक्ति नहीं है। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन के ममता बनर्जी को लेकर दिए गए बयान के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भरोसा है कि लोग उनके साथ खड़े रहेंगे और चुनाव में उनका समर्थन करेंगे। प्रख्यात अर्थशास्त्री और नोबल प्राइज विनर अमर्त्य सेन ने कहा था कि तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी में प्रधानमंत्री बनने की क्षमता है।

प्रधान ने कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके सोनारपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संगठनात्मक बैठक से पहले कहा भारत में प्रधानमंत्री पद के लिए फिलहाल कोई पद रिक्त नहीं है। देश के लोगों ने लगातार दो बार नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि गरीबों महिलाओं युवाओं पिछड़ों और ग्रामीण लोगों ने चुनाव में मतदान कर मोदी को देश चलाने की जिम्मेदारी दी है। प्रधान ने कहा इसमें कोई संदेह नहीं है कि 2024 में मोदी के नेतृत्व में राजग फिर से जीतेगा।

गुजरात पोल के नतीजे संदेश देते हैं कि मोदी 2024 में फिर से प्रधानमंत्री चुने जाएंगे: अमित शाह

गांधीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि हाल में संपन्न गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे न केवल राज्य के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे यह संदेश गया है कि नरेंद्र मोदी 2024 में फिर से प्रधानमंत्री के रूप में चुने जाएंगे। विपक्षी दल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि गुजरात के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राज्य में रिकॉर्ड संख्या में सीट के साथ गुजरात में सत्ता में बनाए रखने में मदद करके उन लोगों को जवाब दिया जिन्होंने राज्य और प्रधानमंत्री मोदी को बदनाम करने की कोशिश की। शाह ने यहां विभिन्न परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन कार्यक्रम में कहा, ''गुजरात के लोगों ने जातिवाद के जहर को खत्म करने के लिए काम किया है और खोखले, झूठे और आकर्षक वादे करने वालों के मुंह पर तमाचा जड़ा है।

गुजरात के लोगों ने गुजरात और नरेंद्र मोदी को बदनाम करने की कोशिश करने वालों को जवाब दिया है।'' उन्होंने कहा, ''यह परिणाम अकेले गुजरात के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। 2024 में (लोकसभा) चुनाव होगा और पूरा देश एक बार फिर नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है।'' वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि गुजरात का यह संदेश कश्मीर से कन्याकुमारी (देश में उत्तर से दक्षिण) और द्वारका से कामाख्या (पश्चिम से पूर्व) तक पहुंच गया है कि ''मोदी साहब 2024 में फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।'' शाह ने कहा कि राज्य के विकास के लिए भाजपा सरकार द्वारा किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से बताने की जरूरत नहीं है, क्योंकि लोगों ने चुनाव में इसका जवाब दे दिया है। उन्होंने कहा, ''ऐसा एक भी राज्य नहीं है जहां किसी पार्टी ने 27 साल तक लगातार शासन किया हो। गुजरात एकमात्र ऐसा राज्य है जहां भाजपा ने (27 साल और उससे अधिक समय तक) शासन किया है।''

शाह ने कहा कि जब गुजरात चुनाव की घोषणा हुई तो कांग्रेस ने दावा किया कि इस बार यह उसका मौका है। उन्होंने कहा, ''दिल्ली से भी लोग यहां मुफ्त में ये और वो देने के वादे के साथ पहुंचे।'' उन्होंने कहा कि इन सब के बावजूद जब परिणाम घोषित हुआ तो भाजपा रिकॉर्ड 156 सीट (गुजरात में कुल 182 में से) के साथ विजेता बनकर उभरी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य में भाजपा का हर एक कार्यकर्ता लोगों के समर्थन के लिए उनका ऋणी है और इस तथ्य पर गर्व महसूस करता है। उन्होंने कहा कि राज्य में अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए सुरक्षित 40 सीट में से पार्टी ने 34 सीट पर जीत हासिल की।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल ग्रामीण स्तर पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम किया, बल्कि दुनिया के सबसे ऊंचे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (नर्मदा जिले में), नरेंद्र मोदी (अहमदाबाद में) के नाम पर दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम और गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गांधीनगर) बनाकर गुजरात को दुनिया में नंबर एक बनाने की दिशा में कई काम किए। स्वच्छता के बारे में बात करते हुए शाह ने कहा कि जब तक लोग मिलकर काम नहीं करेंगे, कोई भी सरकार गांव या शहर को स्वच्छ नहीं बना सकती है।

उन्होंने कहा, ''स्वच्छता अच्छे स्वास्थ्य के लिए पहली शर्त है। प्रधानमंत्री मोदी एक बड़ा स्वास्थ्य केंद्र बनाने जा रहे हैं। स्वास्थ्य केंद्र बनाना आसान है, लेकिन बेहतर यह है कि बीमार पड़ने की नौबत न आए और स्वास्थ्य केंद्र जाने की आवश्यकता न पड़े। इसके लिए हमें अपने गांवों को साफरखना होगा।'' शाह ने गांधीनगर-उत्तर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया और राज्य की राजधानी में मोती अदराज गांव से प्लास्टिक मुक्त गांवों के लिए अभियान भी शुरू किया।

हम सैनिकों के साहस और निःस्वार्थ बलिदान के लिए हमेशा उनके ऋणी रहेंगे: खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सेना दिवस के अवसर पर रविवार को कहा कि देश के लोग सैनिकों के अदम्य साहस अत्यंत समर्पण और निःस्वार्थ बलिदान के लिए हमेशा उनके ऋणी रहेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी भारतीय सेना की सराहना की और कहा कि हर सैनिक बहादुरी देशभक्ति और बलिदान की भावना से परिपूर्ण है। खरगे ने ट्वीट किया कि भारतीय सेना दिवस के अवसर पर हमारे बहादुर सैनिकों एवं सेवानिवृत्त सैनिकों को सलाम और उनके परिवारों के प्रति आभार। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम आपके अदम्य साहस अत्यंत समर्पण और निःस्वार्थ बलिदान के लिए हमेशा आपके ऋणी रहेंगे। राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि पराक्रम देशप्रेम और बलिदान इन सबसे परिपूर्ण है हमारी सेना का हर जवान। उन्होंने देश के लिए त्याग तपस्या और समर्पण करने वाले' सभी जवानों सेवानिवृत्त सैनिकों और उनके परिवारों को सेना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस ने ट्वीट किया कि भारतीय सेना दिवस पर हम भारतीय सेना के जवानों को राष्ट्र की निःस्वार्थ सेवा करने के लिए सलाम करते हैं और उस गौरवशाली दिन को भी याद करते हैं

जब भारतीय सेना को सैन्य संचालन के नेतृत्व एवं प्रशासन के लिए के.एम. करियप्पा के रूप में अपना पहला भारतीय कमांडर-इन-चीफ मिला था। फील्ड मार्शल के एम करियप्पा के 15 जनवरी 1949 को अपने ब्रिटिश पूर्ववर्ती के स्थान पर भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ का पदभार संभालने के उपलक्ष्य में सेना दिवस मनाया जाता है।

सेना दिवस : राष्ट्रपति मूर्मू पीएम मोदी व गृहमंत्री शाह ने जवानों को किया नमन मोदी ने दी शुभकामनाएं

-पहली बार बेंगलुरू में मनाया जा रहा भारतीय सेना दिवस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज यानी 15 जनवरी को इंडियन आर्मी अपना 75वां स्थापना दिवस मना रही है। देश में हर साल 15 जनवरी को भारतीय थल सेना दिवस मनाया जाता है। आजादी के बाद पहली बार भारतीय सेना दिवस बेंगलुरू में मनाया जा रहा है। सेना दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने सेना के वीर जवानों को नमन किया। सेना दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जवानों को नमन किया। उन्होने ट्वीट कर कहा सेना दिवस पर आइए याद करें भारतीय सेना के जवानों के बलिदान की अनगिनत कहानियां। उन्होंने हमेशा वीरता और साहस की सीमाओं को आगे बढ़ाया है और आपदाओं के समय रक्षक के रूप में भी काम किया है। मैं इस अवसर पर भारतीय सेना के सभी वीर जवानों और उनके परिवारों को नमन करती हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया कि सेना दिवस पर मैं सभी सैन्यकर्मियों भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं देता हूं। प्रत्येक भारतीय को हमारी सेना पर गर्व है। उन्होंने हमेशा हमारे देश को सुरक्षित रखा है। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारतीय सेना वीरता और साहस का पर्याय है। आर्मी डे पर मैं सैनिकों पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को बधाई देता हूं। देश को सुरक्षित रखने के संकल्प के लिए भारत को हमारी सेना पर गर्व है। हम अपने वीरों को नमन करते हैं और उनके सर्वोच्च बलिदान को भी नमन करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सेना दिवस के अवसर पर सभी सैन्यकर्मियों पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं।

जम्मू-कश्मीर की अंजी नदी पर बनेगा देश का पहला केबल रेल पुल

-कटरा को रियासी से जोड़ने का काम करेगा पुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की अंजी नदी पर देश का पहला केबल रेल पुल बनेगा। इसका निर्माण जम्मू-कश्मीर की अंजी नदी पर हो रहा है। रेलवे के अनुसार इस साल के अंत तक अंजी खड्ड पुल का निर्माण हो जाएगा। यह पुल इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना है जिसे बनाने का काम अपने अंतिम चरण में है। ये पुल कटरा को रियासी से जोड़ने का काम करेगा। अंजी नदी के ऊपर रियासी जिले में स्थित पुल चुनौतीपूर्ण उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक का एक हिस्सा है जहां रेल अधिक ऊंचाई पर हिमालय से होकर गुजरती है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि अंजी खड्ड पुल नए भारत की नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की लगातार खोज का एक प्रतिबिंब है। रेलवे के अनुसार इस पुल की लंबाई 473.25 मीटर है जो नदी तल से करीब 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। पुल को बनाते वक्त इस बात का ध्यान में रखा गया है कि यह भारी तूफानों से निपट सके। इसे 96 केबलों का सपोर्ट दिया गया है। इसे बनाने में बेहद एडवांस तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

पुल का निर्माण कर रहा कोंकण रेलवे कार्पोरेशन

इस ब्रिज को बनाने की जिम्मेदारी कोंकण रेलवे कार्पोरेशन को सौंपी गई है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना को कोंकण रेलवे कार्पोरेशन लिमिटेड विकसित कर रहा है। जिस जगह पर ये पुल बनाया गया है उस स्थान का भू-विज्ञान काफी जटिल है। ऐसे में अत्यधिक टूटी हुई और संयुक्त चट्टानों के बीच इसका निर्माण किया गया है। जानकारी के अनुसार इसे बनाने में लगभग 28000 करोड़ रुपए की लागत आई है। ये ऐसा जटिल क्षेत्र है जहां चिनाब नदी के पार बनाए जा रहे पुल के समान एक आर्च ब्रिज का निर्माण करना लगभग असंभव सा है। अंजी खड्ड पुल ढलान को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। एडवांस तकनीक और उपकरणों की मदद से बनाए जा रहे इस पुल में पंप कंक्रीटिंग सिस्टम का इस्तेमाल शामिल है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की वंदे भारत एक्सप्रेस की तारीफ, कहा- डिजाइन हवाई जहाज से बेहतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, वंदे भारत ट्रेनों के डिजाइन हवाई जहाज से बेहतर हैं और सबसे आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान कर सकता हैं।सिकंदराबाद और विशाखापत्तनम के बीच चलने वाली नवीनतम वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई। भारतीय रेलवे ने अब ऐसी आठवीं ट्रेन शुरू की है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 10 पर व्यक्तिगत रूप से मौजूद थे, जहां से ट्रेन रवाना हुई थी। वैष्णव ने एएनआई को बताया कि पीएम मोदी ने मकर संक्रांति के पवित्र अवसर पर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सभी लोगों को वंदे भारत का तोहफा दिया। इसके लिए धन्यवाद। सभा को संबोधित करते हुए, रेल मंत्री वैष्णव ने कहा, ÷वंदे भारत एक उत्कृष्ट ट्रेन है। यह 52 सेकंड में 0-100 किमी की यात्रा कर सकती है, जबकि दुनिया की अन्य ट्रेनें 54 से 60 सेकंड का समय लेती हैं। वंदे भारत के डिजाइन उससे भी बेहतर हैं।÷ एक हवाई जहाज का। यह यात्रा का सबसे आरामदायक अनुभव प्रदान कर सकता है।' उन्होंने कहा कि देश और रेलवे का विकास राजनीति से ऊपर है। वैष्णव ने कहा, 'पीएम मोदी तेलंगाना को 3,500 करोड़ रुपये दे रहे हैं। हमें इस अवसर का उपयोग करना चाहिए और तेलंगाना में रेलवे को सर्वोत्तम तरीके से विकसित करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि सिकंदराबाद स्टेशन को विश्व स्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। पीएम मोदी ने इस स्टेशन के लिए 720 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, इसके साथ ही तेलंगाना में 35 अन्य स्टेशनों को भी विकसित किया जाएगा. रेल मंत्रालय के मुताबिक सिकंदराबाद को विशाखापत्तनम से जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पहली है। लगभग 700 किमी की दूरी को कवर करते हुए तेलुगू भाषी राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को जोड़ता है। ट्रेन आंध्र प्रदेश में

विशाखापत्तनम, राजामुंदरी और विजयवाड़ा स्टेशनों और तेलंगाना में खम्मम, वारंगल और सिकंदराबाद स्टेशनों पर रुकेगी। वंदे भारत एक्सप्रेस का स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया ट्रेन सेट अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस है। रेलवे ने कहा कि वह रेल उपयोगकर्ताओं को तेज, अधिक आरामदायक और अधिक सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करेगा।

नीतीश सरकार को बहुसंख्यक हिंदू समाज की भावनाओं से कोई मतलब नहीं : सुशील मोदी

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि श्रीरामचरित मानस पर शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर की दुराग्रही टिप्पणी और उस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौन सहमति से साफ है कि राज्य सरकार घोर हिंदू विरोधी है। सुशील मोदी ने कहा कि महागठबंधन सरकार जिस तरह से सिर्फ सम्प्रदाय-विशेष की भावनाओं और सुविधाओं का ख्याल रखते हुए काम कर रही है वह संविधान के विरुद्ध है। नीतीश सरकार को बहुसंख्यक हिंदू समाज की भावनाओं से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि एक लोकप्रिय हिंदू धर्मग्रंथ के विरुद्ध जो अनर्गल टिप्पणी की गई वह संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति ने दीक्षांत समारोह जैसे सरकारी कार्यक्रम में की है। इसे राज्य सरकार की राय माना जाएगा किसी का व्यक्तिगत विचार नहीं। भाजपा नेता ने कहा कि अब नीतीश कुमार को तीन सवालों का जवाब देना है। पहला वे अपने शिक्षा-मंत्री के बयान के पक्ष में खड़े हैं या इसके विरुद्ध हैं। दूसरा सवाल है कि क्या मुख्यमंत्री स्वयं हिंदू-विरोधी और मानस विरोधी हैं और तीसरा कि क्या वे शिक्षा मंत्री को हटाएंगे या उन्हें सिर्फ माफी मांगने के लिए कहेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता अपनी साझा सरकार के शिक्षा मंत्री के विरुद्ध नपे-तुले बयान देकर या मंदिर में मानस-पाठ कर केवल राजनीतिक दिखावा कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि मां सीता की जन्मभूमि पर राज करने वाले लव-कुश समाज के मुख्यमंत्री अब राम-भक्तों के साथ हैं या श्रीराम और रामायण के निंदकों के साथ। इस यक्ष-प्रश्न का उत्तर अब नीतीश कुमार को ही देना है।

सरकार स्वतंत्रता के अंतिम स्तंभ 'न्यायपालिका' पर कब्जा करना चाहती है : कपिल सिब्बल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सदस्य और पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने रविवार को आरोप लगाया कि सरकार न्यायपालिका पर ''कब्जा'' करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी स्थिति बनाने की पूरी कोशिश कर रही है, जिसमें एक बार फिर से उच्चतम न्यायालय में 'दूसरे स्वरूप' में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) का परीक्षण किया जा सके। कपिल सिब्बल (74) ने मौजूदा समय में केशवानंद भारती के फैसले के बुनियादी ढांचे के सिद्धांत को बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए सरकार को खुले तौर पर यह कहने की चुनौती दी कि यह त्रुटिपूर्ण है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने इस तथ्य से सामंजस्य नहीं बैठा पा रही है कि उसके पास उच्च न्यायपालिका में नियुक्तियों में उसकी बात अंतिम नहीं है।

सिब्बल ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, '' वे (सरकार) ऐसी स्थिति बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, जिसमें एक बार फिर से उच्चतम न्यायालय में 'दूसरे स्वरूप' में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) का परीक्षण किया जा सके। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उस हालिया टिप्पणी के बाद सिब्बल की यह प्रतिक्रिया सामने आई है, जिसमें धनखड़ ने उच्चतम न्यायालय द्वारा एनजेएसी को रद्द करने के फैसले की आलोचना की थी। धनखड़ ने 1973 के केशवानंद भारती मामले के ऐतिहासिक फैसले पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा था कि इस फैसले ने एक गलत मिसाल कायम की और वह उच्चतम न्यायालय के इस फैसले से असहमत हैं कि संसद संविधान में संशोधन कर सकती है, लेकिन इसकी मूल संरचना में नहीं।

उच्चतम न्यायालय ने एनजेएसी अधिनियम को 2015 में असंवैधानिक करार दिया था, जिसका उद्देश्य उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को बदलना था। धनखड़ की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर सिब्बल ने कहा, ''जब एक उच्च संवैधानिक प्राधिकारी और कानून के जानकार व्यक्ति, इस तरह की टिप्पणी करते हैं, तो सबसे पहले यह सवाल पूछना चाहिए कि क्या वह व्यक्तिगत राय रख रहे हैं या सरकार की ओर से बोल रहे हैं।'' उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, ''इसलिए, मुझे नहीं पता कि वह किस

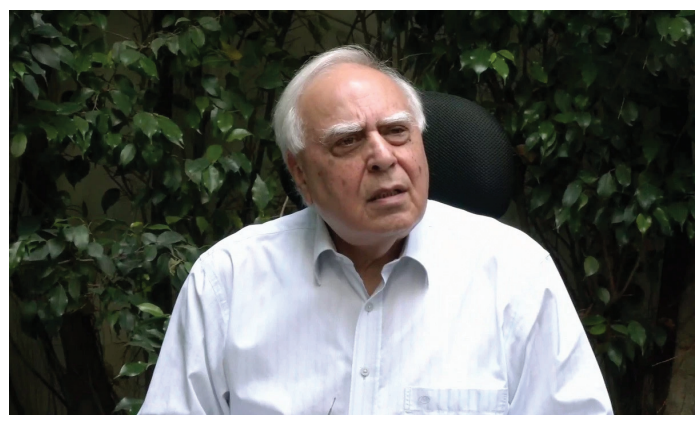

हैसियत से बोल रहे हैं, सरकार को इसकी पुष्टि करनी होगी। अगर सरकार सार्वजनिक रूप से कहती है कि वह उनके विचारों से सहमत है, तो इसका एक अलग अर्थ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डेटा बिल में व्यक्तिगत और गैर व्यक्तिगत जानकारी की परिभाषा को सरकार को स्पष्ट करना चाहिए –पूर्व मुख्य केंद्रीय सूचना आयुक्तबिमल जुल्का

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बोवडे वाली जजों की बेंच के आदेश के बाद आर टी आई कानून कमजोर हुआ कहा आयुक्तबिमल जुल्का ने

उत्तराखंड के आरटीआई रिसोर्स पर्सन वीरेंद्र कुमार ठक्कर ने भी स्लाइड प्रेजेंटेशन से डेटा बिल बिल के प्रावधानों की विस्तार से की चर्चा.

अब बचे खुचे आर टी आई कानून को डेटा बिल से भी होगा नुकसान

धारा 8(1)(जे) के संशोधन से जानकारी प्राप्त करने में आमजन को होगी मुश्किल

भारत सरकार के प्रस्तावित डेटा प्रोटेक्शन बिल 2022-23 के वर्तमान मसौदे का सूचना के अधिकार कानून पर कितना विपरीत प्रभाव पड़ेगा इस बात को लेकर एक बार पुन: 134 वें राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार का आयोजन किया गया।

प्रस्तावित डेटा प्रोटेक्शन बिल में व्यक्तिगत जानकारी के नाम पर सूचनाएं मिलना होगा मुश्किल – बिमल जुल्का

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आरटीआई कानून पर होने वाले दुष्प्रभाव पर चर्चा करते हुए पूर्व केंद्रीय मुख्य सूचना आयुक्त विमल जुल्का ने कहा कि आरटीआई कानून जब बनाया गया उसमें सभी प्रावधान अच्छी प्रकार स्पष्ट किए गए थे। लेकिन समय के साथ इस पर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विभिन्न आदेशों के माध्यम से संशोधन भी किए गए। जिसकी वजह से कानून में काफी कमजोरी आई है और काफी जानकारियां जस्टिस बोबडे और अन्य जजों की पीठ के द्वारा दिए गए निर्णय के बाद वर्ष 2018-19 के दरम्यान निजी जानकारियों की श्रेणी में आने से उन्हे देने के लिए आदेश में मनाही की गई। अब यदि देखा जाए तो वर्तमान प्रस्तावित डेटा प्रोटेक्शन बिल के माध्यम से आरटीआई कानून की धारा 8(1)(जे) को संशोधित किए जाने का प्रयास चल रहा है इससे काफी लोकहित

से जुड़ी हुई जानकारियां प्राप्त होने में आमजन को कठिनाई होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आरटीआई कानून का उपयोग दुर्भावना से नहीं किया जाना चाहिए। कुछ उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि दुर्भावना पूर्वक मांगी गई जानकारियों की वजह से जब मामले कोर्ट स्तर तक जाते हैं तो वहां न्यायालय के आदेश के बाद उनमें संशोधन हो जाता है जिसकी वजह से सूचना आयोग भी फिर जानकारियां दिलवा पाने में असमर्थ रहता है। उन्होंने कहा कि सूचना आयुक्त के तौर पर हमारे लिए चिंता का विषय है कि देश में पारदर्शिता के लिए जाना माना आर टी आई कानून कमजोर न किया जाए। इसके लिए हम सबको प्रयास करने की आवश्यकता है।

पहली बार राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार में शिरकत किए पूर्व मुख्य केंद्रीय सूचना आयुक्त बिमल जुल्का ने कहा कि सतत आरटीआई कानून के विषय में इस प्रकार ऑनलाइन और ऑफलाइन चर्चा किए जाने से लोगों में जन जागरूकता बढ़ेगी जो एक अच्छे लोकतांत्रिक समाज का उद्देश्य होना चाहिए।

जस्टिस बीएन श्रीकृष्ण एवं संसदीय समिति के डेटा बिल के पिछले 2018-19 के मसौदे वर्तमान प्रस्तावित मसौदे 2022 से बेहतर – वीरेंद्र कुमार ठक्कर

कार्यक्रम में हमेशा अपने विचार रखने वाले उत्तराखंड से आरटीआई रिसोर्स पर्सन वीरेंद्र कुमार ठक्कर ने विस्तारपूर्वक स्लाइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से डेटा प्रोटेक्शन बिल के कई मसलों पर चर्चा की। उन्होंने वर्ष 2018-19 में जस्टिस बीएन श्रीकृष्णा कमेटी एवं 2019-20 में संसदीय कमेटी के पूर्व प्रस्तावित बिल के मसौदे पर भी प्रकाश डाला और उसकी तुलना वर्तमान 2022 के डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटक्शन बिल के मसौदे से किया। वीरेंद्र ठक्कर ने विस्तार से बिल के सभी पहलुओं पर चर्चा की और बताया की आरटीआई कानून को कमजोर करने वाली जो कड़ी प्रस्तावित डेटा बिल 2022-23 के वर्तमान प्रस्तावित

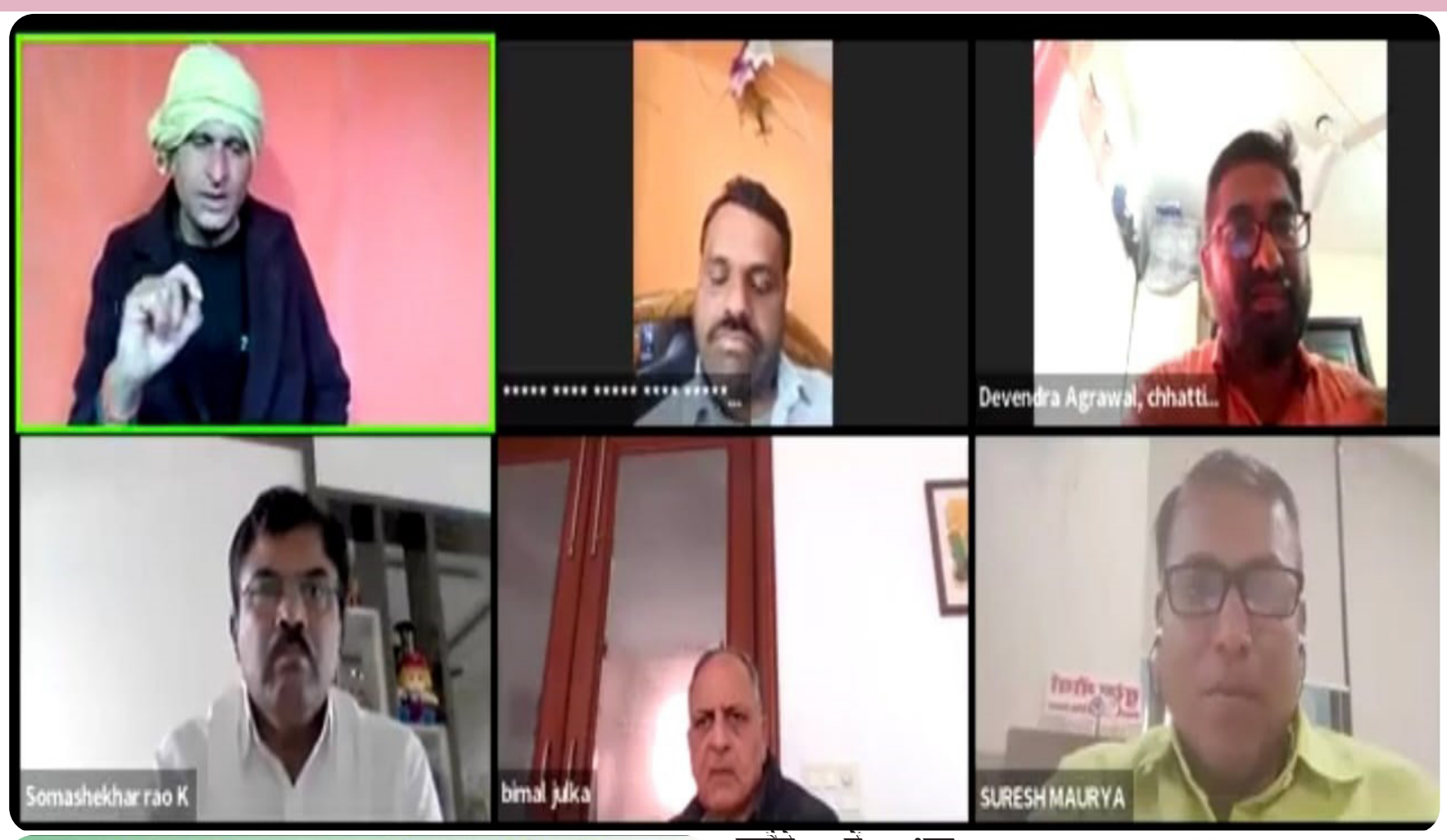

मसौदे में धारा 29(2) और 30(2) के रूप में डाली गई है उसके बाद आरटीआई कानून का सर्वोपरि प्रभाव खत्म हो जाएगा और साथ में 8(1)(जे) के प्रावधान भी हटा दिए जाएंगे इसमें किसी षडयंत्र की बू आ रही है। उन्होंने कहा कि हालांकि अभी संसद मे बिल पास नहीं हुआ है इसलिए उम्मीद की जा रही है कि दोनों ही प्रावधान बिल से हटाए जाएंगे। कार्यक्रम में पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने भी शिरकत की और थोड़े समय के लिए आरटीआई कानून पर अपने विचार रखें। छत्तीसगढ़ से आरटीआई एक्टिविस्ट देवेंद्र कुमार अग्रवाल ने भी स्लाइड प्रेजेंटेशन के माध्यम से डेटा प्रोटेक्शन बिल और आरटीआई कानून के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम में विचार विमर्श के दौरान कई आरटीआई कार्यकर्ता सोमशेखर राव, ग्वालियर से राज तिवारी एवं राजगढ़ मध्य प्रदेश से जयपाल सिंह खींची सहित कई आरटीआई कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखे।